जीवन दर्शन

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है।- अज्ञात

# दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

सोमवार 6 मई, 2024 » वर्ष 13 » अंक 85 » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 6 » मूल्य ₹ 2.00

अस्थाई रूप से निलंबित होने के बाद बजरंग का पहला बयान, कुश्ती...

पृष्ठ 6 पर

# नव्य अयोध्या के 'नायकों' को देख रामनगरी ने लगाई 'अगाध प्रेम की डुबकी', मोदी ने रामलला का आशीर्वाद लेकर रोड शो किया पूरा

अयोध्या ■

30 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में हजारों करोड़ की सौगात देने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रोड शो किया था। इसके बाद 22 जनवरी को श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे। 5 मई 2024 को एक बार फिर नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के सारथी योगी आदित्यनाथ संग सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए रोड शो करने पहुंचे।

अंतर बस इतना था कि तब अयोध्या को करोड़ों की सौगात मिली थी और इस बार मोदी-योगी ने अयोध्या से फिर रिकॉर्डतोड़ जीत की आस लगाई। तब प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो लता चौक से रेलवे स्टेशन तक गया था। इस बार रोड शो राम मंदिर की तरफ से लता चौक पहुंचा। दो किमी. के इस रोड में लगभग एक घंटे से अधिक का समय लग गया। नव्य अयोध्या के 'नायकों' को देख रामनगरी ने उनके स्वागत में 'अगाध प्रेम की डुबकी' लगाई।

## सुग्रीव चौक से लता चौक तक निकला रोड शो

रथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अयोध्या सांसद-प्रत्याशी लल्लू सिंह सवार रहे। रोड शो सुग्रीव चौक से लता चौक (लगभग दो किमी.) तक निकला। सुग्रीव किला से प्रारंभ रोड शो राम मंदिर के मुख्य द्वार, रामपथ होते हुए लता चौक पहुंचा। दो किमी. की दूरी तय करने में लगभग एक घंटे से अधिक समय लग गया। इस दौरान पूरी अयोध्या जगमगाती रही। रोड शो में शामिल आंखें मानो बोल रही थीं कि अयोध्या में सिर्फ भगवान, भगवा और भाजपा रहेगी। इन लोगों ने विश्वास दिलाया कि जो राम को लाए हैं, हम उनको ही लाएंगे। पूरे रास्ते लोग मोदी-योगी के समर्थन में नारे लगा रहे थे तो यह दोनों नेता हाथ जोड़ अभिवादन भी कर रहे थे और कमल का फूल दिखाकर वोट की अपील भी।

### फिर छाई मोदी योगी की जोड़ी

महज छह महीने के भीतर नरेंद्र मोदी तीसरी बार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अनगिनत बार रामनगरी पहुंचे। बारम्बार योगी आदित्यनाथ हनुमानगढ़ी और रामलला सरकार के चरणों में श्रद्धा निवेदित करते हैं। 500 वर्ष बाद भारत को यह सौभाग्य मिला कि राघव अपनी अयोध्या में विराजमान हुए। अवध में होली खेली तो आंगन में जन्मोत्सव भी मनाया। पूरा देश यह अवसर उपलब्ध कराने का सारथी मोदी-योगी को मानता है। आज जब फिर अयोध्यावासियों ने इनका दीदार किया तो दिल से कह उठे, मोदी-योगी जी को जयश्रीराम।

## 8 तक जेल काटेंगे पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे एचडी रवन्ना

**नई दिल्ली।** सेक्स स्कैंडल में फंसे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे एचडी रवन्ना को 8 मई तक के लिए SIT हिरासत में भेज दिया गया था। इन्हें कर्नाटक पुलिस की SIT ने 4 मई को अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद गिरफ्तार कर लिया था। रवन्ना को अपकरण के मामले में गिरफ्तार किया गया था। गौरतलब है कि रवन्ना पर यौन शोषण और अपरहरण का आरोप है। इस पहले SIT ने रेवन्ना और प्रज्वल को लुकआउट नोटस दिया था। सीबीआई से संपर्क कर ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी कराने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि कर्नाटक के दिग्गज नेताओं में शुमार रहे एचडी रेवन्ना का बेटा सेक्स स्कैंडल के खुलासे के बाद 27 अप्रैल को प्रज्वल विदेश भाग गया था।

## प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी

नई दिल्ली ■

कर्नाटक के गृह विभाग ने यौन उत्पीड़न मामले में फंसे हासन लोकसभा के प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कार्नर नोटिस जारी कर दिया है। गृह मंत्री डॉ.जी परमेश्वर ने रविवार को बताया कि राजग के उम्मीदवार को भारत वापस लाने के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है। इस बात की पुष्टि भी की है कि ब्लू कार्नर नोटिस जारी किया गया है। इस मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) इस बात पर फैसला करेगा कि प्रज्वल को कैसे वापस लाया जाए?

किसी अपराध के संबंध में अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय द्वारा किसी भी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अपने सदस्य देशों से अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है। इसके माध्यम से व्यक्ति का पता लगाया जाता है। इसके बाद उस देश के कानून के मुताबिक अपराधी की मांग मूल देश के माध्यम से की जाती है। प्रज्वल रेवन्ना के पति एचडी रेवन्ना को कर्नाटक की एसआईटी टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। अब वह आठ मई तक एसआईटी की हिरासत में रहेंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### पुंछ के आतंकी हमले पर पूर्व सीएम चन्नी बोले- ये स्टंटबाजी हो रही है...

**पंजाब।** जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय वायु सेना के वाहन पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले पर कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी से जब मीडिया ने सवाल किया तो उन्होंने कहा कि श्ये स्टंटबाजी हो रही है। हमले नहीं हो रहे। जब चुनाव आते हैं तो बीजेपी को जिताने के लिए ऐसे स्टंट खेले जाते हैं और बीजेपी को जिताने का तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि जब इलेक्शन आते हैं तो ऐसे स्टंट खेले जाते हैं। उन्होंने कहा कि ये तैयार करके हमले करवाए जाते हैं, बीजेपी को जिताने का स्टंट होता है, इसमें सच्चाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि लोग मरवाने और लोगों की लाशों पर खेलना ये बीजेपी को आता है। वहीं धक्का मुक्की में किसान की मौत पर कहा कि भाजपा किसानों को दबाकर देश और प्रदेश की किसानी खत्म करके पंजाब को दबाना चाहती है।

### दिल्ली हाईकोर्ट बोला- स्कूल में एसी का खर्च पेरेंट्स उठाएं

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि स्कूल में एयर कंडीशनिंग का खर्च वहां पढ़ने वाले बच्चों के पेरेंट्स को उठाना होगा। एसी बच्चों की सुविधा के लिए लगाया जाता है। इसलिए, इसका आर्थिक बोझ अकेले स्कूल मैनेजमेंट पर नहीं डाला जा सकता है। कोर्ट ने 2 मई को एक पेरेंट्स की याचिका पर फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत पीएस अरोड़ा की बेंच ने कहा कि एसी का चार्ज लैबोरेटरी और स्मार्ट क्लास के लिए दी जाने वाली फीस की तरह है। दरअसल, पेरेंट्स ने अपनी याचिका में बताया था कि उनका बच्चा दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में क्लास 9 का छात्र है।

### फ्लाइट में 15 किलो से ज्यादा सामान ले जाना हुआ महंगा

**नई दिल्ली।** टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने अपने कस्टमर्स को झटका दे दिया है. अ१ क्ल्र्ला के पैसेंजर्स के लिए फ्लाइट में ज्यादा सामान ले जाना महंगा पड़ने वाला है. दरअसल, एयर इंडिया ने डोमेस्टिक उड़ानों में इकोनॉमी क्लास में फ्री केबिन बैगेज में 20 किलो की लिमिट को घटाकर अब 15 किलो कर दिया है. इसका मतलब है कि 15 किलो से अधिक का सामान ले जाने पर आपको ज्यादा किराया देना हगा. एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि एयर इंडिया में तीन फेयर स्ट्रक्चर हैं - कम्फर्ट, कम्फर्ट प्लस और फ्लेक्स. इन तीनों में पैसेंजर्स को अलग-अलग लाभ के साथ अलग किराया देना होता है.

## लोकसभा चुनाव प्रचार थमा 11 राज्यों में 7 मई को मतदान

नई दिल्ली ■

लोकसभा चुनाव- 2024 के तीसरे चरण का चुनाव प्रचार रविवार शाम छह बजे थम गया। तीसरे चरण में 11 राज्यों की 92 सीटों सात मई मतदान होंगे। इस चरण में कुल 1300 से अधिक उम्मीदवार मैदान में है, जिसमें से करीब 120 महिलाएं हैं। तीसरे चरण में कई दिग्गज नेताओं की साख दांव पर लगी है, जिसमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह (गांधीनगर), केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया (गुना), केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया (पोरबंदर), केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला (राजकोट), केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी (धारवाड़) और एसपी सिंह बघेल (आगरा) शामिल हैं।

अब प्रत्याशी केवल घर-घर जाकर ही मतदाताओं को लुभा सकते हैं। किसी भी तरह की प्रचार गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। 18वीं लोकसभा के लिए अब तक दो चरणों में 190 सीटों पर मतदान हो चुका है, तीसरे चरण में इसके लिए 2963 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया था। जिसमें से 1563 नामांकन वैध पाए गए थे और अब चुनावी मैदान में 1351 उम्मीदवार हैं। प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री ने अयोध्या में ताल ठोंक कर संदेश दिया। राहुल गांधी ने तेलंगाना, मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम बंगाल में जमकर चुनाव प्रचार किया। राजनाथ सिंह ने हल्ला बोल की तर्ज पर आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के जम्मलमाडुगु में कहा कि अगर सत्ता में आए तो एक देश एक चुनाव प्रणाली लागू होगी।

**बाबा बफार्नी की पहली तस्वीर**

## शिवलिंग की ऊंचाई 8 फीट, 29 जून से शुरू होगी 52 दिन की अमरनाथ यात्रा

अनंतनाग ■

कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बफार्नी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। बर्फ का शिवलिंग करीब 8 फीट ऊंचा है। इस शिवलिंग के दर्शन-पूजन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु अमरनाथ आते हैं। इस बार यात्रा 29 जून से शुरू होगी जो करीब 52 दिन चलेगी। 29 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं।

### यात्रा के लिए ऑन लाइन और ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन

यात्रा के लिए 15 अप्रैल से ऑन लाइन और ऑफ लाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन के लिए श्राइन बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉग इन कर सकते हैं। मोबाइल एप्लिकेशन से रजिस्ट्रेशन करना चाहते हैं तो श्री अमरनाथजी यात्रा ऐप डाउनलोड करना होगा। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक, एसबीआई, यस बैंक और जम्मू-कश्मीर बैंक से ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

## 'ऐसा प्रधानमंत्री हो जिसे कोई न नहीं बोले, तो सुरक्षा परिषद की सीट जल्द मिलेगी'

कटक ■

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलना तय है और यदि देश में ऐसा प्रधानमंत्री हो जिसे कोई न नहीं कह सके तो सदस्यता मिलने की यह प्रक्रिया और तेज हो जाएगी। ओडिशा के कटक में लोगों से बातचीत करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, 'यह बेहद कठिन समय है।

उससे भी महत्वपूर्ण, आप किसपर भरोसा करना चाहते हैं? आप किसे इस देश का प्रभारी देखना चाहते हैं? आपको ऐसा कौन दिखता है जो इन चुनौतियों का मुकाबला कर देश को आगे ले जा सकता है। आप सुरक्षा परिषद के बारे में पूछ रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम उसका सदस्य बनेंगे। लेकिन हम जल्दी सदस्य बनेंगे यदि हमारे पास एक ऐसा मजबूत प्रधानमंत्री हो जिसे दुनिया किसी चीज के लिए मना न कर सके। और अभी हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 15 सदस्य होते हैं जिनमें से पांच स्थायी जबकि 10 अस्थायी होते हैं। अस्थायी सदस्य हर दो साल में बदलते रहते हैं जबकि अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस और चीन स्थायी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र में इन पांचों सदस्यों के पास किसी भी प्रस्ताव को रोकने के लिए वीटो का अधिकार है जो अस्थायी सदस्यों के पास नहीं होता।

## राजस्थान में बड़ा हादसा, कार-वाहन की टक्कर में एक ही परिवार के 6 की मौत

नई दिल्ली ■

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया. जिले के बौली थाना क्षेत्र के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बनास पुलिया के नजदीक कार और एक वाहन में टक्कर हो गई. इस हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. 2 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए.

हादसे का शिकार सभी लोग सीकर जिले के खंडेला के रहने वाले हैं. सभी एक ही परिवार के सदस्य थे. ये सभी लोग सीकर से त्रिनेत्र गणेश जी के दर्शन करने सवाई माधोपुर के रणथंभौर जा रहे थे. सड़क दुर्घटना की सूचना पर बौली थाना पुलिस एवं एंबुलेंस मौके पर पहुंची. दुर्घटना में घायल बच्चों व सभी 6 शवों को बौली के सीएचसी पहुंचाया गया. पुलिस अधीक्षक दिनेश यादव के मुताबिक, बौली थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसा हुआ है. इसके बाद मौके पर पुलिस की टीम को भेजा गया. प्रथम दृष्ट्या में अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा होना बताया जा रहा है. हादसा इतना भयावह था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. शवों को बमुश्किल कार से निकाला जा सका. सड़क हादसे में घायल हुई 6 वर्षीय दीपाली शर्मा व 10 वर्षीय मनन शर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बौली में भर्ती करवाया गया है.

## लखनऊ को मिली सबसे बड़ी हार, कोलकाता ने 98 रनों से हराया, टॉप पर पहुंची केकेआर

नई दिल्ली ■

कोलकाता नाइट राइडर्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया है. इकाना में खेले गए मैच में कोलकाता ने लखनऊ को 98 रनों से हराया. इसी के साथ केकेआर 16 प्वाइंट्स टॉप पर पहुंच गई है. पहले बैटिंग करने उतरी कोलकाता की टीम ने 6 विकेट गंवाकर 235 बनाए. जवाब में लखनऊ की टीम 16-1 ओवर में ही 137 रनों पर ही सिमट गई. लखनऊ के लिए 36 रन बनाए. केएल राहुल ने 25 रनों का योगदान दिया. केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा ने 3-3 विकेट चटकाए. आंद्रे रसेल ने 2 विकेट झटके. जबकि मिशेल स्टार्क और सुनील नरेन को 1-1 सफलता मिली.

236 रनों की लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरूआत अच्छी नहीं रही. अर्शिन कुलकर्णी के रूप में लखनऊ को 20 रन पर पहला झटका लगा. मिचेल स्टार्क ने अर्शिन कुलकर्णी को पवेलियन भेजा. कुलकर्णी रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद मार्कस स्टोइनिस औक केएल राहुल ने पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन फिर केएल राहुल को हर्षित राणा ने अपना शिकार बनाया. राहुल 21 गेंद पर 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे. इसके बाद दीपक हुड्डा को वरुण चक्रवर्ती ने चलता किया. हुंड्डा 5 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद रसल ने मार्कस स्टोइनिस को पवेलियन का रास्ता दिखाया. मार्कस स्टोइनिस 21 गेंद पर 36 रन बनाकर चलते बने. निकोलस पूरन 10 रन, आयुष बदोनी 15 रन, एश्टन टर्नर 16, क्रुणाल पंड्या 5 रन बनाकर आउट हुए. में खेला जा रहा है. लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. पहले बैटिंग करने उतरी कोलकाता की टीम ने 6 विकेट गंवाकर 235 रन बनाए हैं.

## व्यंग्य : पत्रकार हो नहीं समझी पार्टी पैसे देती नहीं लेती है..!

ओड़िशा में पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता मोहंती ने अपना टिकट यह कह कर लौटा दिया कि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं है और कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल को पत्र भी लिख दिया कि मुझे फण्ड दिया जाए. उन्होंने खुद लिखा कि वह एक नौकरीपेशा पत्रकार रहीं और 10 साल पहले ही राजनीति में सक्रिय हुई. यह भी लिखा कि मैंने चुनाव प्रचार के लिए दान लेने की भी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. खैर सुचारिता द्वारा अपने को पूर्व पत्रकार बताने से मुझे यह लिखना पड़ रहा है कि पत्रकार होकर भी वह यह नहीं समझ सकी कि पार्टी पैसे देती नहीं अपितु पैसे लेती है.क्या उन्हें टिकट बिकने की खबरों का बिल्कुल पता नहीं..? खैर ऐसी स्थिति अधिकांश प्रमुख पार्टियों की है और इसका प्रमाण है चुनाव में प्रत्याशी बनने वाले अनेक अपराधी रिकॉर्ड वाले, पैसे वाले जो पैसा फेंकते हैं और बड़े शान से चुनाव लड़ते हैं..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

### भ्रष्ट, ब्लैकमेलर पत्रकार होती तो खुद के पैसों से लड़ती चुनाव..!

सुचारिता मोहंती द्वारा देश की सबसे पुरानी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस का अच्छा - भला मिला टिकट लौटाने की भूल कर दी है और पार्टी ने उनकी पीड़ा को समझें बगैर जय नारायण पटनायक को टिकट भी दे दिया यानी व्यक्ति तैयार था. अब इसे सुचारिता की मजबूरी ही कह सकते हैं और वह इसलिए कि अपने पत्रकारिता जीवन में उन्होंने ईमानदारी से काम किया होगा, यदि भ्रष्ट व भांड टाइप की एवं ब्लैकमेल करने वाली पत्रकार होती तो अपने पैसे से ही चुनाव लड़ लेती और पार्टी के आगे नहीं गिड़गिड़ाती, ऐसे पत्रकारों की सूची देश में लम्बी है जो पैसा कमाने व रुतबे के लिए इस पेशे में आते हैं. अनेक ईमानदार पत्रकार आज भी फक्कड़ हाल में हैं, क्योंकि वे यह भी कोशिश नहीं करते कि सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बन जाएं और सरकार की योजनाओं का लाभ लेते रहें, क्योंकि वे टिकड़मी नहीं होते. मैं भी उदाहरण हूं कि 68 साल की उम्र में पैरों से विकलांग होने के बावजूद इसलिए मध्यप्रदेश में पत्रकार पेंशन के लाभ से वंचित हूं क्योंकि किसी ने अधिमान्य नहीं बनाया. वो तो एक भले मालिक ने बना दिया, लेकिन 43 साल की पत्रकारिता में 10 साल का नियम पूरा नहीं हो रहा है.वैसे एक साप्ताहिक वाले ने शान से बताया कि बेटा - बहू को भी बनवा दिया.अपने वालों को लाभ दिलाने की प्रवृति नेताओं में ही नहीं पत्रकारिता क्षेत्र में भी है.दैनिक भास्कर व अन्य बड़े समूह में काम करने व टीवी चैनल में भी संपादक रहने के बाद कभी यह नहीं सोचा कि सरकार से मान्यता पाकर लाभ लेना है.खैर मैंने 4 दशकों से अधिक की पत्रकारिता में इंदौर में कर्फ्यू के दौरान रिपोर्टिंग में खुद देखा कि माफिया, अपराधी किस्म के लोग अपने वाहनों पर ' प्रेस ' लिखा लेते थे. वर्तमान में अनेक फर्जी पत्रकारों के पकड़ाने की खबरें आदि भी पुष्टि करती हैं जैसे नेता राजनीति को बिजनेस मानकर इन्वेस्टमेंट करते हैं वैसे ही पत्रकारिता के क्षेत्र में समाचार पत्रों की बाढ़ आ गई है, चैनल चालू हो गए हैं, यू ट्यूब भी धंधे का बड़ा स्त्रोत बन गया है.खैर यह पेशा जीवित है तो सच्चे अर्थ में पत्रकारिता करने वाले ईमानदार पत्रकारों की बदौलत, हालांकि वे बिरले ही होते हैं, जैसे त्याग करने वाले बिरले नेता..! खैर टिकट बिकने के सबूत वाले प्रमाण तो नहीं है लेकिन चौथे चरण में चुनाव लड़ने वालों की जो ए डी आर रिपोर्ट आई है उस अनुसार 1710 में 360 आपराधिक रिकॉर्ड वाले जिनमें 274 गंभीर अपराध वाले हैं.476 करोड़पति हैं तो ये क्या पैसे देकर आए नहीं लगते..? मध्यप्रदेश में कांग्रेस पर टिकट बेचने के आरोप लगे और बीजेपी का एक प्रत्याशी रोकर बोला था मेरा टिकट काट दिया, दूसरे को बेच दिया. ऐसे में समझ में आता है बहुत कुछ राजनीति में ऐसा होता है जो ईमानदार के वश की बात नहीं है..?

पुरी से कांग्रेस कैंडिडेट सुचारिता मोहंती ने लौटाया टिकट, कहा- कैंपेन के लिए फंड नहीं दे पा रही पार्टी

## राहुल गांधी ने खुद बताया वह क्यों पहनते हैं सफेद टी-शर्ट

नई दिल्ली ■

राहुल गांधी हमेशा ही सफेद टी-शर्ट क्यों पहनते हैं? कांग्रेस नेता के पास इसकी एक नहीं, बल्कि दो वजह है. यह पारदर्शिता और सादगी का संदेश देती है. कांग्रेस के सोशल मीडिया चैनलों द्वारा जारी दो मिनट से अधिक के एक वीडियो में राहुल गांधी ने इस सवाल का जवाब दिया है. कर्नाटक में प्रचार का एक दिन। कुछ हल्के-फुल्के सवाल और कुछ बहुत शानदार जवाब शीर्षक वाले वीडियो में राहुल ने विचारधारा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये हैं.

उन्होंने कहा, मेरे विचार से, विचारधारा की स्पष्ट समझ के बिना आप एक बड़े संगठन के रूप में सत्ता की ओर नहीं बढ़ सकते. हमें लोगों को अपनी विचारधारा को समझाना होगा जो गरीब समर्थक और महिला समर्थक है तथा सभी के साथ समान व्यवहार करने का समर्थन करती है.

न्यूज ब्रीफ

## देश का गर्व -चुनाव का पर्व उत्साह पूर्वक मनाने के लिये व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** इंदौर जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिये नित नए नवाचार किये जा रहे है। इसी श्रृखला में आज दिव्यांगजनों ने एकत्रित होकर क्रिकेट खेला और मतदान का संदेश दिया। लोकसभा निर्वाचन-2024 स्वीप गतिविधि के तहत आज इंदौर और उज्जैन संभाग के दिव्यांग खिलाड़ियों के मध्य व्हीलचेयर क्रिकेट मैच का आयोजन इमराल्ड हाइट्स स्कूल इंदौर में सम्पन्न हुआ। जिसमें इंदौर की टीम 6 विकेट से विजयी रही। मतदाता जागरूकता के लिये यह मैच जिला प्रशासन, सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग और स्मार्ट सिटी मिशन इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस मैच की विजेता टीम इंदौर को 5001 रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया। प्रोत्साहन स्वरूप सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह दिये गये। पुरस्कार वितरण सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक श्री सुचिता तिर्की और श्री महेश शर्मा अधीक्षण यंत्री स्मार्ट सिटी इंदौर के द्वारा किया गया। प्रतिभागी दोनों टीम के खिलाड़ियों को मतदान की शपथ भी दिलाई गई।

## नाबालिग लड़की ने उज्जैन में होटल की छत से लगाई छलांग, गुमशुदगी की रिपोर्ट हुई थी दर्ज

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** उज्जैन में आज सुबह कार्तिक चौक की होटल में ठहरी एक 17 वर्षीय छात्रा ने तीसरी मंजिल की खिड़की से समीप के पतरे वाले मकान पर छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस की सूचना पर उसके परिजन उज्जैन पहुंचे तथा घायल हालत में उसे अपने साथ इंदौर ले गए। खाराकुआ थाने के उपनिरीक्षक लिवांस कुजूर ने बताया कि कार्तिक चौक की होटल में उक्त घटना आज सुबह की है। यहां के मणिभद्र गेस्ट हाऊस के रूम नंबर 401 में किशोरी कल रात 9 बजे आकर ठहरी थी। उसके साथ उत्तरप्रदेश सोनभद्र के 5 लोग भी थे, उन्होंने बताया कि लड़की उन्हें बस में बैठी मिली थी और वह रो रही थी। इस पर वे समझाकर अपने साथ ले आए और होटल में अपने साथ ठहरा लिया था। आज सुबह लड़की उठी और उसने फोन पर परिजनों से बात की और इसी दौरान वह बात करते हुए तीसरी मंजिल की खिड़की पर चढ़ी और समीप के पतरे वाले मकान में कूद गई। लड़की के छलांग लगाने के बाद जोर की आवाज सुनाई दी और भीड़ लग गई। तत्काल गेस्ट हाऊस का स्टॉप भी वहां पहुंच गया और घायल हालत में लड़की को अस्पताल लेकर आए। लड़की का हाथ जख्मी हो गया था और वह खून की उल्टियां करने लगी। इधर पुलिस की सूचना के बाद इंदौर से उसके परिवार के लोग भी उज्जैन पहुंच गए थे। उपनिरीक्षक कुजूर ने बताया कि इंदौर से उसकी माँ और अन्य रिश्तेदार आ गए और लड़की की मां के अनुसार कल उसकी सहेली के साथ एक लड़का उनके घर पर आया था, इस पर उसने माही को डांटा तो वह घर से निकल गई थी।

## नाबालिग के साथ दुष्कृत्य करने वाले मामा को हुआ तिहरा आजीवन कारावास

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** अपर सत्र न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कृत्य करने वाले युवक को तिहरे आजीवन कारावास से दंडित किया है। 2021 में दर्ज प्रकरण पर निर्णय सुनाते हुए अपर सत्र न्यायालय व विशेष न्यायालय पोक्सो एक्ट ने आरोपित राहुल मुजाल्दे (22) को दोषी माना। आरोपित को पॉक्सो एक्ट की धारा 5 एल/6, 5 एम/6, 5 एन/6 तीनों में दोषी मानते हुए पृथक - पृथक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ में धारा 506 व भादंवि में एक वर्ष के सश्रम कारावास से भी दंडित किया है। आरोपित पर कुल 6500 रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया है। शासन को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित बालिका को दो लाख रुपये की राशि प्रतिकर के तहत दिलाई जाए। आरोपित बालिका ने अप्रैल 2021 में भंवरकुआं थाने में शिकायत की थी कि रिश्ते में उसका मामा लगने वाला आरोपित उसके घर आता-जाता रहता है। सब्जी मंडी में हम्माली करने वाला आरोपित दस वर्ष की तभी से उसे धमका कर उसके साथ दुष्कृत्य कर रहा था। लगातार तीन वर्षों तक उसके साथ दुष्कृत्य करता रहा व जान से मारने की धमकी देता रहा। डर के मारे नाबालिग बार-बार अपने घर से भाग जाती थी। उसके घर से भागने से परेशान होकर उसकी मां ने उसे बाल आश्रम में रखवा दिया। बाल आश्रम की मैडम ने उसकी काउंसलिंग की तो उसने पूरी घटना बताई। बाद में बालिका की रिपोर्ट पर आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई।

## मतदान के लिए अन्य वैकल्पिक दस्तावेज, यह हैं 13 वैकल्पिक दस्तावेज

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की जा रही है। क्यूआर कोड युक्त मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो 13 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदाता मतदान कर सकेंगे। फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकते है। सभी मतदाताओं से उत्साह के साथ मतदान करने का आग्रह किया गया है।

# भाजपा बोली- अक्षय का आना उनका निर्णय, कांग्रेस ने कहा- जनता जवाब देगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

**लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदाताओं का सियासी मूड जानने निकला है। जो आज मध्यप्रदेश के इंदौर लोकसभा क्षेत्र में हैं। इंदौर में इस बार मुद्दों से हटकर अक्षय बम का किस्सा चर्चा में है।**

### कांग्रेस पर उठाए सवाल

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे का कहना है कि भाजपा को इंदौर की जनता ने नौ लोकसभा चुनाव में प्रचंड विजय दी है। यहीं नहीं विधासनभा चुनाव में भी भाजपा ने सभी 9 सीटें जीती हैं। इस बार भी भाजपा की प्रचंड जीत तय थी, लेकिन अक्षय कांति बम का भाजपा में आना उनका निजी निर्णय है। लोकतंत्र में हम अपने दल को बढ़ाने में सभी कोशिश करते हैं। मैं प्रश्न करता हूं कि कांग्रेस का डमी कैंडिडेट कहां है। देवेंद्र सिंह यादव को टिकट नहीं दे रही पार्टी, ऐसा क्यों?

### अक्षय ने विश्वासघात किया

कांग्रेस नेता देवेंद्र सिंह यादव का कहना है कि जमीनी कार्यकताओं को टिकट देना था, गलती हुई है। अक्षय बम पर पार्टी ने भरोसा किया था, उसने विश्वासघात किया। फिर प्रश्न ये है कि जब ये लोग कह रहे हैं कि भाजपा जीत रही थी तो उन्हें इस तरह का कृत्य करने की जरूरत क्यों आन पड़ी। आज सुमित्रा महाजन जी का बयान है कि लोगों के फोन आ रहे हैं कि वे भाजपा को नहीं नोटा को वोट देंगे। ये महाजन ने अपनी बात कह दी है। उन्होंने जनता को इशारा कर दिया है।

### भाजपा का दल विस्तार करना है

इस पर जवाब देते हुए आलोक दुबे का कहना है कि देवेंद्र सिंह का वीडियो सामने आया था, जिसमें वो खुद कह रहे हैं कि कांग्रेस ने पैसे वाले को अपना टिकट बेच दिया है। ये कांग्रेस का आंतरिक मसला है। हमें अपने दल का विस्तार करना है। ताई के बयान को दुष्प्रचार की तरह कांग्रेस फैला रही है। भाजपा के एक अन्य नेता का कहना है कि कांग्रेस कैंडिडेट का कहना है कि फोन पर पैसा मांग रहे हैं तो कब तक सहते। इस पर देवेंद्र यादव का कहना है कि अक्षय कांति बम का कहना है कि मुझे सपोर्ट नहीं मिल रहा, ये गलत है। मैं खुद रोज सुबह से लगा रहता था, मुझे पता है हकीकत। अन्य कांग्रेसी नेता अमित चौरसिया का कहना है कि अक्षय जी पहले दिन से मान रहे थे कि मैं बलि का बकरा हूं, उनके मन में सत्ता पक्ष का डर बैठ गया था। उनके प्रकरण सामने आने लगे। उन्हें डराया गया। कांग्रेस ने उन्हें लगातार सपोर्ट किया है। वे पत्रकार वार्ता कर कांग्रेस पर आरोप लगाए हैं।

### भाजपा का देगी जनता जवाब

आम आदमी पार्टी के पीयूष का कहना है कि मप्र में हमारी पार्टी इंडिया गठबंधन की जूनियर पार्टी है। इसलिए हमने कोई फॉर्म नहीं भरा। भाजपा तो हमेशा से ऐसी ही राजनीति करते हैं। महाराष्ट्र देखिए, मप्र देखिए, ये तोड़ने की राजनीति करते हैं। भाजपा का प्रेशर पॉलिटिक्स है। अक्षय डर गए, इंदौर की जनता में बहुत दम है। आने वाले समय में भाजपा के इस कुकृत्य का जवाब दिया जाएगा। भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

### विकास से कांग्रेस को दिक्कत

गोविंद पुरोहित का कहना है कि शहर में विकास हुआ है। भाजपा जो भी काम करता है, कांग्रेस को उसमें दिक्कत रहती ही है। बात स्मार्ट सिटी, सफाई की हो रही है तो कह दूं कि नगर निगम की कचरा कलेक्शन की गाड़ी घर-घर समय पर आती है, आप उस समय घरों से नहीं निकलेंगे तो कचरा कैसे हटेगा। मेट्रो का काम हो रहा है, इन्हें इस पर भी आपत्ति है। जहां शहर में जगह है वहां ऊपर से, और जहां बसाहट है, वहां अंडरग्राउंड मेट्रो का रास्ता बनाया गया है। पर कांग्रेस को सिर्फ सवाल उठाना है।

# बम ने कहा- मैं गद्दार नहीं, कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने पर किया बड़ा खुलासा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

**अक्षय बम ने भाजपा कार्यालय में की प्रेस कांफ्रेंस, उन्होंने भाजपा की नीतियों को बताया बेहतर, कांग्रेस की नीतियों को बताया विजन विहीन बताया। कांग्रेस के नेताओ और कार्यकताओं की उदासीनता और निष्क्रियता को कांग्रेस छोड़ने की वजह बताया।**

अक्षय बम ने कहा कि लगातार चुनाव प्रचार कैंसिल हो रहे थे, लेकिन कांग्रेसी बूथ पर सक्रिय नहीं हो रहे थे। प्रचार सामग्री भेजने के बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ता बात नहीं पा रहे थे। मैंने सोचा कि समाज और मेरी टीम काम कर रही थी, लेकिन कांग्रेसी काम नहीं कर रहे थे। इसलिए वोट लेने वालों को धोखा देने से अच्छा नामांकन वापस लेना उचित समझा।

### विजयवर्गीय बोले- अक्षय का आया था फोन

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 29 तारीख को अक्षय बम ने नामांकन वापस लेने का विचार किया और मेरे को फोन किया। भाई साहब में नामांकन वापस लेना चाहता हूं। इस पर मैंने कहा कि नामांकन क्यों ले रहे हो, उन्होंने कांग्रेस की नकारात्मक सोच के कारण नामांकन वापस लेने की बात कही। इस पर मैंने कहा कि अपने अधिकर्ता को भेजकर उठा लो, लेकिन अक्षय ने कहा कि में अकेले जा कर ही नामांकन वापस लूंगा। इसके बाद मैंने रमेश जी को साथ भेजा।

### क्या बोले अक्षय कांति बम

लगातार जनसम्पर्क कैंसल होने से मायूस होकर भाजपा में गया, कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं हो रहे थे एकत्रित, लोकसभा चुनाव पार्टी की विचारधारा पर लड़ा जाता है, व्यक्ति नहीं लड़ता हैं, विचारधारा पर चुनाव लड़ा जाता हैं, इंदौर में विचारधारा नजर नहीं आई, विधानसभा चुनाव में टिकट मांगा, लेकिन नहीं दिया, मैने भी जोर लगाया, सब जानते है कि विधानसभा इंदौर 4 और लोकसभा में जितना आसान नहीं था। फिर भी में लड़ने को तैयार हुआ, लेकिन पार्टी से सहयोग नहीं मिल रहा था। 2600 बूथ के लिए सामग्री छपवाई थी, सभी बूथों के लिए भेजी थी, लेकिन सामग्री कांग्रेस के नेताओं के घरों में रखी रही, बूथ तक पहुंचाई नहीं, बांटी नहीं गई। कांग्रेस के बड़े नेताओं की सभा के लिए प्रदेश अध्यक्ष को कई बार कहा, लेकिन किसी की सभा की अनुमति नहीं दिलाई गई। नोटा का कैंपेन अधिक सार्थक नहीं है, क्योकि लोकतंत्र में नोटा को अधिक मत भी मिलते है तो भी दूसरे नंबर का प्रत्याशी विजेता होता है।

# शराब पार्टी के दौरान सटोरिए ने तीन पुलिसकर्मियों को मारे चाकू अफसरों ने दबा दी घटना

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शराब पार्टी के साथ क्रिकेट मैच देख रहे पुलिसकर्मियों की उनके साथ मौजूद सटोरिए ने पिटाई कर दी। बात इतनी ज्यादा बढी की तीन को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिसकर्मियों से जुड़ी घटना होने से अफसरों ने बात दबा दी। शून्य पर कायमी कर दूसरे थाने को जांच भेजी गई। घटना मल्हारगंज थाना क्षेत्र स्थित नेहरु नगर में हाईराइज बिल्डिंग की है। बाणगंगा थाने का सिपाही नीरज तोमर, सौरभ तोमर, राहुल शर्मा, यश और एरोड्रम का कल्लू उर्फ दिलीप शराब पार्टी और आइपीएल मैच देख रहे थे।

नशे की अवस्था में आपस में कहासुनी हो गई और कल्लू ने नीरज की पिटाई कर दी। उसको चाकू मारकर घायल कर दिया। सौरभ और यश ने बीच बचाव किया तो दोनों को जख्मी कर डाला। कल्लू के विरुद्ध एरोड्रम थाने में दो केस दर्ज हैं। पुलिसवालों के साथ ही उठता बैठता है। क्रिकेट का आनलाइन सट्टा भी लगाता है। घटना के बाद तीनों पुलिसकर्मी बाणगंगा थाने पहुंचे और शून्य पर कायमी करवाई। घटना स्थल मल्हारगंज थाना के अंतर्गत आता है। पुलिस ने जांच के लिए केस डायरी मल्हारगंज थाना को भेजी है।

### करोलबाग में लूटा था पुलिसकर्मी ने मोबाइल

पुलिसकर्मियों ने नशे की अवस्था में कुछ दिनों पूर्व घटना की थी। बाणगंगा थाना अंतर्गत आने वाले करोल बाग में जोन-2 का अजीत और क्राइम ब्रांच की महिला पुलिसकर्मी पार्टी करने पहुंचे थे। महिला पुलिसकर्मी ने एक युवती का नशे में फोन छीन लिया। रात दो बजे पीड़िता थाने पहुंची और अफसरों को घटना बताई।

# पटवारी के प्रचार पर रोक की मांग, प्रधानमंत्री की तुलना रावण से करने पर भडकी भाजपा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इमरती में रस नहीं के बयान से सुर्खियों में आए प्रदेश कांग्रेस के मुखिया जीतू पटवारी प्रधानमंत्री मोदी की तुलना रावण से किए जाने के बाद भाजपाइयों के निशाने पर आ गए। पार्टी ने चुनाव आयोग से पटवारी के चुनाव प्रचार पर रोक लगाने की मांग चुनाव आयोग से की है। पटवारी के खिलाफ अलीजरापुर, भिंड और ग्वालियर में जहां 3 प्रकरण दर्ज हो चुके है। वहीं भिंड में पत्रकारवार्ता में प्रधानमंत्री मोदी की तुलना रावण से करने पर चुनाव आयोग में की गई शिकायत में भाजपा ने कहा है कि जीतू पटवारी को अभद्रता की आदत लग चुकी है, इसलिए उनके द्वारा प्रचार किए जाने पर रोक लगाई जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से की है, जो अत्यंत आपत्तिजनक है। शिकायत में कहा गया है कि प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक है और इस पर पदस्थ व्यक्ति के प्रति इस तरह की भाषा और शब्दों का प्रयोग पद की गरिमा को आघात पहुंचाने वाला है। इससे पहले पटवारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पूर्व मंत्री इमरती देवी के प्रति भी अभद्र वक्तव्य दे चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भाजपा की शिकायत को चुनाव आयोग को भेज दिया है।

# अजमेर-उज्जैन स्पेशल ट्रेन को नहीं मिले यात्री, रेलवे ने किया रद्द

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

गर्मियों की छुट्टी लगते ही रतलाम मंडल द्वारा अलग-अलग रूट के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। बावजूद इन रूट की ट्रेनों पर लंबी वेटिंग चल रही है। इसी बीच रेलवे ने 28 अप्रैल से उज्जैन-अजमेर के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू किया था, जिसे 30 जून तक संचालित किया जाना था। लेकिन ट्रेन में पर्याप्त बुकिंग नहीं होने से इसे निरस्त कर दिया गया है।

दरअसल इस ट्रेन का संचालन इंदौर रेलवे स्टेशन से किया जाना था, लेकिन प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं नहीं होने और रेल यातायात दबाव अधिक होने से संचालन उज्जैन से किया गया था। इधर इंदैर से अजमेर के बीच

चलने वाली तीन साप्ताहिक नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग जा रही है। रतलाम मंडल द्वारा अजमेर-उज्जैन-अजमेर स्पेशल ट्रेन का संचालन 27 अप्रैल से अजमेर से शुरू किया गया था। यह ट्रेन 28 अप्रैल को उज्जैन से अजमेर के लिए भी रवाना हुई, लेकिन ट्रेन में सीमित संख्या में ही यात्री सवार हुए। आगे की तारीखों पर भी बुकिंग नाममात्र की रही। जिसके चलते रेलवे ने इस ट्रेन ने आगामी नौ फेरे निरस्त कर दिए। इस ट्रेन को 30 जून तक प्रति रविवार उज्जैन से अजमेर के लिए रवाना होना था। जबकि इंदौर से वर्तमान में चल रही तीन साप्ताहिक नियमित ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। फिरोजपुर हमसफसर एक्सप्रेस प्रति गुरुवार लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से रवाना होती है। यह ट्रेन वर्तमान में रिग्रेट है, यानी वेटिंग सीट भी खत्म हो चुकी है। इसी तरह प्रति सप्ताह शनिवार को इंदौर से अजमेर जाने वाली बिकानेर महामना एक्सप्रेस में 69 वेटिंग है। प्रति रविवार इंदौर-दिल्ली वाया अजमेर ट्रेन में भी 43 वेटिंग चल रही है। इसी तरह इंदौर-जोधपुर डेली ट्रेन में आरएससी है। यानी कि इंदौर से अजमेर के लिए चल रही ट्रेनों में वेटिंग है। अगर अजमेर-उज्जैन-अजमेर ट्रेन को इंदौर से चलाया जाता है, बेहतर यात्री संख्या मिल जाती।

## ई-पेपर के विज्ञापन का भी कराना होगा प्री-प्रमाणीकरण

**इंदौर।** भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ई-पेपर पर दिए जाने वाले राजनैतिक विज्ञापन का भी प्री-सर्टिफिकेशन संबंधित राजनैतिक दल अथवा उम्मीदवार को करवाना जरूरी होगा। आयोग के दिशा-निदेर्शों में यह स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई राजनैतिक दल अथवा उम्मीदवार स्वयं का ब्लॉग, वेबसाइट अथवा सोशल मीडिया अकाउंट पर इस तरह की सामग्री चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पोस्ट या अपलोड करता है तो उसे राजनैतिक विज्ञापन नहीं माना जाएगा। इसके लिए मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी से प्री-सर्टिफिकेशन लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

# चैन से जीना है तो पाएँ 'मैं' से मुक्ति...

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

यक़ीन मानियेगा दोस्तों, हमारे जीवन की सभी चुनौतियाँ, परेशानी, दिक्क़तें और दुख या कुल मिला कर कहूँ तो सारी चिंताओं के पीछे की मुख्य वजह; संसाधनों या पैसों की कमी, शारीरिक दुर्बलता, संपर्क, संबंधियों या परिवार के सदस्यों का साथ ना होने जैसा कोई कारण नहीं है, बल्कि इसकी मुख्य वजह तो इन सभी के पीछे मैं और मेरा का भाव होना है। अपनी बात को मैं आपको एक कहानी से समझाने का प्रयास करता हूँ।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

बात कई साल पुरानी है, राजपुर पर राजा राजवेंद्र का राज था। वैसे तो पूरे राजपुर में धन-दौलत, ऐश्वर्य आदि किसी चीज की कमी नहीं थी। इसी वजह से पूरे राज्य में ख़ुशहाली थी अर्थात् राजा और प्रजा सभी ख़ुशी-ख़ुशी अपना जीवन यापन कर रहे थे। एक वर्ष राजपुर में भयानक अकाल पड़ा। राज्य में बारिश ना होने के कारण पानी की काफ़ी कमी हो गई जिसके कारण सारी फसलें सूख गई। किसानों की बुरी हालत के कारण राजा राजवेंद्र को सारा लगान माफ़ करना पड़ा। राजस्व में कमी के कारण तेज़ी से राज्य का ख़ज़ाना ख़ाली होने लगा। तेज़ी से खजाना ख़ाली होता देख राजा राजवेंद्र चिंता में पड़ गए। अब हर समय उन्हें ख़ज़ाने की चिंता सताती रहती थी। जैसे अगर यही हालात रहे तो 5 साल बाद क्या होगा?; 10 साल बाद क्या होगा? कुछ माह बाद अकाल का समय तो निकल गया और स्थिति धीरे-धीरे पहले की तरह सामान्य हो गई, लेकिन राजा राघवेंद्र की चिंता करने की आदत वैसी की वैसी ही रही। अब उन्हें इस बात की चिंता सताने लगी अगर यह अकाल वापस आ गया तो क्या होगा? मेरा ख़ज़ाना, मेरा राज्य तो पूरी तरह तबाह हो जाएगा। ऐसी स्थिति में मेरे बच्चे क्या करेंगे? कभी मंत्रियों या रिश्तेदारों ने कोई षड्यंत्र रच दिया तो क्या होगा? आदि... आदि... इतना ही नहीं कभी-कभी तो वे सोचते थे कि ख़राब माली हालत के चलते अगर मेरी सेना कमजोर हो गई और पड़ोसी राज्य ने मेरे ऊपर हमला कर दिया तो क्या होगा? इन तमाम चिंताओं ने राजा राघवेंद्र की रातों की नींद, दिन का चैन और भूख, सब-कुछ छीन ली। अब उन्हें किसी कार्य में मज़ा नहीं आता था। वे हर-पल शून्य में देखते हुए पता नहीं क्या सोचा करते थे। एक दिन कुछ सोचते-सोचते राजा की नज़र राज बगीचे में काम करने वाले माली पर पड़ी जो मज़े से गाना गाते-गाते काम कर रहा था। राजा सोचने लगा इतनी कम आमदनी और तमाम परेशानियों के बीच यह इतना ख़ुश कैसे है? यह विचार आते ही राजा उस माली पर नज़र रखने लगा। एक दिन राजा की नज़र रात्रि के समय माली पर पड़ी। वे यह देख कर हैरान रह गए कि दिन भर मेहनत करने के बाद वह शाम को रूखी-सुखी रोटी खाकर बड़े मज़े से पेड़ के नीचे सो रहा था। राजा को अब तो उससे जलन होने लगी थी। एक दिन राजभवन में एक बहुत ही पहुँचे हुए सिद्ध महात्मा जी आए। उन्होंने राजा के चेहरे को देखते ही सारी स्थिति को पहचान लिया। कुछ देर तक महात्मा जी राजा को ध्यान से देखते रहे, फिर बोले, 'राजन तुम्हारी चिंता; तुम्हारी परेशानी की मुख्य जड़ राजपाट है। मेरा सुझाव है कि तुम अपना राजपाट अपने पुत्र को देकर चिंता से मुक्त हो जाओ।' महात्मा की बात का प्रत्युत्तर देते हुए राजा बोले, 'गुरुजी, मेरा पुत्र मात्र पाँच वर्ष का है। अभी वह अबोध है, आप ही बताइए एक अबोध बालक राजपाट कैसे सम्भालेगा?' इस पर महात्मा जी बोले, 'तो फिर तुम राजपाट मुझे सौंप दो।' राजा ने वैसा ही किया और वहाँ से जाने लगा। इसपर महात्मा बोले, 'भक्त, अब तुम जीवन यापन के लिए क्या करोगे?' राजा बोला, 'सोचता हूँ कहीं नौकरी कर लूँ या कोई छोटा-मोटा व्यवसाय कर लूँ।' इसपर महात्मा जी बोले, 'देखो अब तुम्हारे पास धन तो है नहीं क्योंकि सारा राजपाट अब मेरा है। रही बात नौकरी की तो उसके लिए अब तुम्हें कहीं जाने की ज़रूरत नहीं है। तुम मेरे यहाँ नौकरी कर लो। मैं तो साधु हूँ। आज यहाँ तो कल वहाँ। मेरे इस साम्राज्य को मेरी तरफ से तुम सम्भाल लो और राजपाट का सारा काम पूरे दिल से करो।' राजा ने साधु की बात मान ली और वे साधु के राजपाट को सँभालने की नौकरी करने लगे। कुछ दिन बाद साधु पुनः राज महल आए और राजा से बोले, 'कहो राजन्, राजपाट कैसा चल रहा है?' राजा प्रणाम करते हुए बोले, 'बहुत ही अनुशासित और सरल तरीके से चल रहा है।' महात्मा ने अगला प्रश्न किया, 'अब तुम्हें भूख तो लगती है? और तुम्हारी नींद के क्या हाल है?' राजा बोले, 'गुरुजी अब तो मैं बहुत अच्छे से खाता हूँ और बढ़िया नींद लेता हूँ।' पर मैं समझ नहीं पाया कि पहले भी यही काम करने के बाद भी मुझे नींद क्यों नहीं आती थी?' इस पर महात्मा जी मुस्कुराते हुए बोले, 'इसके पहले तुम राज्य मेरा है और मैं राजा हूँ के भाव से जीते थे। इसने तुम्हें बांध दिया था इसीलिए यह सब तुम्हारे लिए दुख और तकलीफ़ों का कारण था। किंतु राजपाट मुझे सौंपने के उपरांत तुम अपने इन मानसिक बंधनों से मुक्त हो गए और तुममें अहंकार का भाव समाप्त हो गया। अब तुम समस्त कार्य अपने हृदय से जुड़कर अपना कर्तव्य समझकर करते हो, इसलिए आनंद मे हो।' जी हाँ दोस्तों, राजा की सारी समस्याओं का कारण 'मैं' याने अहंकार के भाव का होना था। इसीलिए वे हर बात को व्यक्तिगत तौर पर देख रहे थे। लेकिन जैसे ही महात्मा ने मैं के भाव को ख़त्म किया उनकी परेशानी ख़त्म हो गई और वे ख़ुश व प्रसन्न रहने लगे। इस आधार पर देखा जाए तो चिंता, परेशानी, दुख, ख़ुशी, संतोष आदि सब हमारे अंदर है। अगर हम अहंकार को स्थान देंगे तो नकारात्मक भाव उभर कर सामने आयेंगे और अगर हम अहंकार को छोड़ देंगे तो हम स्थिर मन के साथ आराम से रह पायेंगे।

# क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में कुख्यात फरार आरोपी धाराया छुपकर काट रहा था फरारी

### थाना चंदननगर के हत्या सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में फरार चल रहा था आरोपी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इसी अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार विभिन्न अपराधों में फरार इनामी बदमाश व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी दौरान क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर तंत्र से सूचना मिली कि, कुख्यात शराब माफिया पप्पू खटिक जो कि थाना चंदन नगर से 307 के अपराध में लंबे समय से फरार चल रहा है, जो कि इंदौर शहर में ही चोरी-छुपे फरारी काट रहा है। जिस पर क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा संबंधित थाने के साथ संयुक्त त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी पप्पू खटीक को मुखबिर के बताये स्थान पर घेराबंदी कर पकड़ा जिसने पूछताछ में अपना नाम (1).पप्पू पिता केसरीमल खटीक उम्र 45 वर्ष नि.137 विजयश्री नगर कालानी नगर के पास इंदौर बताया, आरोपी पर पूर्व में भी शहर के विभिन्न थानों पर दर्जनभर से भी अधिक गंभीर अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही थाना चंदननगर पुलिस के द्वारा की जा रही है।

## चौराहे पर कार की टक्कर से पलटा दूध वाहन

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** मिली जानकारी के अनुसार रसोमा चौराहे से पाटनीपुरा की ओर जा रहे सांची के दूध वाहन को सफेद रंग की एक कार ने टक्कर मार दी। हालांकि इस घटना में दोनों ही वाहनों पर सवार किसी को भी ज्यादा चोट नहीं आई। दोनों ही वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त जरूर हुए हैं। दूध वाहन में कैरेट के अंदर दूध की थैलिया भरी हुई थीं, जिन्हें हादसे के बाद दूसरे वाहन में लोड कर ग्राहकों तक पहुंचाया गया। उधर कार वाले को मेडिकल के लिए एमवाय अस्पताल ले जाया गया।

**न्यूज ब्रीफ**

## नगर निगम के घोटाले में चार आरोपियों को जेल भेजा, तीन का रिमांड बढ़ाया

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** इंदौर नगर निगम में हुए करोड़ों रुपए के फर्जी बिल घोटाले में चार आरोपियों को जेल भेज दिया है। तीन आरोपियों का रिमांड और दो दिन के लिए बढ़ाया गया है। पुलिस ने रविवार को सात आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। पुलिस ने आरोपी ठेकेदार मो. साजिद, मो. जाकिर, रेणु वडेरा, राहुल वडेरा, कम्प्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया, सब इंजीनियर उदय सिसौदिया और क्लर्क राजकुमार साल्वी को कोर्ट में पेश किया। आरोपी मो जाकिर, राहुल वडेरा और निगम कर्मचारी राजकुमार साल्वी का रिमांड मांगा गया। अभियोजन की ओर से कोर्ट को बताया कि इन तीनों आरोपियों से अभी और पूछताछ करने के साथ नए सूत्र जुटाना हैं। इस पर कोर्ट ने इन तीनों को मई तक के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। दो ठेकेदार इमरान खान (क्रिस्टल इंटरप्राइजेस) और मौसम व्यास (ईश्वर इंटरप्राइजेस) अभी भी फरार हैं। इन दोनों ने निगम को पांच करोड़ रु. का चूना लगाया है। इन पर भी इनाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। आरोपी ठेकेदार मो. सिद्धकी (ग्रीन कंस्ट्रक्शन इंजीनियर) और अभय राठौर भी फरार हैं जिस पर दस हजार रुपए का इनाम पहले से ही घोषित है।

## मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल होगा

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** लोकसभा का चुनाव कराने नियुक्त मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों को अपने-अपने मतदान केन्द्र में वास्तविक मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल (दिखावटी मतदान) कराना होगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मॉक पोल में कम से कम 50 मतों का होना चाहिए और इसे उम्मीदवारों के मतदान अभिकताओं की मौजूदगी में कराना चाहिए। पीठासीन अधिकारी को मॉक पोल के परिणामों से मतदान अभिकताओं को अवगत कराना होगा । निर्वाचन आयोग के मुताबिक पीठासीन अधिकारी मतदान प्रारंभ होने के डेढ़ घंटे पूर्व मॉक पोल (दिखावटी मतदान) करायेंगे। मॉक पोल प्रारम्भ करते समय कम से कम दो अभ्यर्थियों के मतदान अभिकर्त्ता उपस्थित रहना चाहिये । यदि मॉक पोल के समय कोई भी मतदान अभिकर्त्ता उपस्थित न हो, ऐसी स्थिति में पीठासीन अधिकारी अधिक से अधिक 15 मिनट मॉक पोल शुरू करने के लिये प्रतीक्षा कर सकता है, और यदि तब भी कोई मतदान अभिकर्त्ता नहीं आते हैं तो पीठासीन अधिकारी मॉक पोल शुरू कर सकते हैं । मॉक पोल में यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान कोष्ठ में सभी अभ्यर्थियों के लिए मत डाले गये हैं । निर्वाचन आयोग के अनुसार मॉक पोल (दिखावटी मतदान) प्रारंभ करने के पहले ईव्हीएम की बैलेट यूनिट तथा वीपेट को मतदान प्रकोष्ठ में रखना होगा, जबकि ईव्हीएम की कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी अथवा उस मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा, जो बैलट यूनिट और व्हीव्हीपेट मशीन सही प्रकार से जोड़ने के बाद कंट्रोल यूनिट का इस्तेमाल करेगा । मॉक पोल में डाले गये मतों का अभिलेख पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी को रखना होगा । मॉक पोल की व्हीव्हीपेट की पर्चियों को भी इनके पीछे के भाग में मॉक पोल पर्ची की रबर सील लगानी होगी और इन पर्चियों को मोटे काले कागज के लिफाफे में रखकर पीठासीन अधिकारी की सील से मुहरबन्द कर और हस्ताक्षर कर सुरक्षित रखना होगा ।

## इंदौर में 1879 बुजुर्गों और दिव्यांगों ने घर बैठे किया मतदान, सोमवार तक चलेगी प्रक्रिया

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** जिले में 85 साल से अधिक उम्र के 1879 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने लोकतंत्र मजबूती के लिए घर बैठे अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान संपन्न कराने के लिए शनिवार को मालव कन्या स्कूल से दल सामग्री लेकर निकले। मतदाताओं के घर जाकर मतदान की सभी प्रक्रिया का पालन कर मतदान कराया गया। मतदान की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई। सोमवार तक तीन दिन 109 दल 3 हजार 126 मतदाताओं के घर पहुंचकर मतदान कराएंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं को घर पर ही मतदान करने की सुविधा दी गई है। इंदौर जिले में घर बैठे मतदान की प्रक्रिया शनिवार से प्रारंभ हो गई। 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग और 40 प्रतिशत बेंचमार्क दिव्यांगता वाले दिव्यांगों से घर बैठे मतदान कराया जा रहा है। इंदौर जिले में घर बैठे मतदान के लिए 3 हजार 126 मतदाताओं ने सहमति दी है। इसमें 2 हजार 630 बुजुर्ग और 496 दिव्यांग मतदाता हैं। पहले दिन 1 हजार 879 ने मतदान किया। इसमें 1 हजार 570 बुजुर्ग और 298 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए सभी दलों को सुबह सात बजे मोती तबेला स्थित शासकीय मालव कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से मतदान सामग्री वितरित की गई। मतदान के बाद कलेक्टर कार्यालय स्थित कोषालय के स्ट्रांग रूम में सुरक्षा के साथ मतपत्र और अन्य जरूरी सामग्री जमा कराई गई।

## कांग्रेस का पूरा फोकस तीन आदिवासी सीटों पर, मालवा-निमाड़ के चुनाव होंगे दिलचस्प

**इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)।** कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद इंदौर का चुनावी परिदृश्य तो लगभग स्पष्ट हो गया है, लेकिन मालवा-निमाड़ की तीन आदिवासी सीट पर उसे कांग्रेस से कड़ी चुनौती मिल रही है। यही कारण है कि दिल्ली पहुंचे फीडबैक के बाद अब धार और खरगोन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा करवाई जा रही है। पार्टी के कुछ और बड़े नेता भी अगले 10 दिन में इन संसदीय क्षेत्रों में पहुंचेंगे। इधर, प्रियंका गांधी की सभा धार में होगी और राहुल गांधी झाबुआ व खरगोन पहुंचेंगे। धार में मुकाबला 2014 में सांसद रही और एक बार फिर मैदान संभाल रही सावित्री ठाकुर और युवक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे तेजतर्रार नेता राधेश्याम मुवेल के बीच है। पिछला चुनाव यहां से भाजपा के छतरसिंह दरबार जीते थे। यहां की 8 में से 5 विधानसभा सीट कांग्रेस के कब्जे में है तो 3 पर भाजपा के विधायक हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इसी संसदीय क्षेत्र से हैं। इसी कारण कांग्रेस के लिए यहां का चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना हुआ है। यहां की 5 आदिवासी सीटों पर कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक रखी है तो भाजपा धार, बदनावर और महू में ज्यादा से ज्यादा लीड मिले, इसके लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। यहां भाजपा अंतिम दौर में बढ़त बनाने के लिए प्रधानमंत्री की सभा करवा रही है।

# इंदौर में दूसरे दिन भी जारी रहा उत्साहपूर्ण मतदान का सिलसिला

### जीवन में साथ-साथ रहने का वादा निभा रहे बुजुर्ग दम्पतियों ने किया मतदान भी साथ, दिव्यांग मतदाता भी मतदान से नहीं रहे पीछे

**ग्राम कुड़ाना:** गौरीबाई आयु 100 वर्ष द्वारा होम वोटिंग से मतदान किया गया।

**इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड**

लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये इंदौर जिले में 4 मई से शुरू हुई होम वोटिंग आज भी जारी रही। आज भी बड़ी संख्या में बुजुर्गों और दिव्यांगों ने घर बैठे ही मतदान सुविधा का लाभ लिया। अनेक ऐसे बुजुर्ग दम्पती रहे जिन्होंने एक साथ ही मतदान किया। दिव्यांग भी मतदान में पीछे नहीं रहे उन्होंने भी उत्साह से मतदान में हिस्सेदारी की।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निदेर्शानुसार इंदौर जिले में भी 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों और दिव्यांगों को घर से ही मतदान की सुविधा दी जा रही है। इसके लिये मतदान दल घर-घर पहुंचकर उनसे मतदान करा रहे है। जिले में इसके लिये उत्साहपूर्ण वातावरण है। आज जिले के कम्पेल में वृद्ध दंपत्ति श्री हीरालाल गेंदालाल आयु 97 वर्ष और उनकी पत्नी श्रीमती गंगाबाई हीरालाल 92 वर्ष द्वारा साथ-साथ मतदान किया गया। उन्हें बड़ा आश्चर्य हो रहा था कि अब इस तरह भी मतदान हो जाता है। इसी तरह सांवेर के ग्राम कुड़ाना के 97 वर्ष के श्री छोगालाल और उनकी पत्नी श्रीमती सौरम बाई 86 वर्ष द्वारा घर पर ही मतदान की सुविधा का लाभ लेकर अपने मताधिकार का उपयोग किया गया।

### सौ वर्ष से अधिक के मतदाताओं ने भी किया मतदान, दिव्यांग भी नहीं रहे मतदान में पीछे

जिले में आज सौ वर्ष से अधिक आयु के अनेक मतदाताओं ने मतदान में हिस्सेदारी की। इस आयु वर्ग के जिन मतदाताओं ने मतदान किया है उनमें श्री चैन सिंह आयु 101 वर्ष, मुरारीलाल जी आयु 102 वर्ष, गौरीबाई आयु 100 वर्ष सहित अन्य शतायु मतदाता शामिल है। जिले में दिव्यांगों ने भी मतदान में उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी निभाई। वे भी मतदान करने में पीछे नहीं रहे। जिले के ग्राम टोड़ी के दिव्यांग मतदाता श्री दिनेश मेहरबान सिंह आयु 43 वर्ष सहित अनेक दिव्यांग मतदाताओं द्वारा होम वोटिंग से मतदान किया गया।

श्रीमति रामप्यारी बाई छोगालाल आयु 87 वर्ष द्वारा होम वोटिंग से मतदान किया गया, सेक्टर अधिकारी श्री जयेंद्र दुबे सहायक यंत्री ,जनपद पँचायत साँवेर,ग्राम कम्पेल।

### साथ साथ जीवन में भी और मतदान में भी

ग्राम कम्पेल में वृद्ध दंपत्ति श्री हीरालाल गेंदालाल आयु 97 वर्ष और उनकी पत्नी श्रीमती गंगाबाई हीरालाल 92 वर्ष द्वारा होम वोटिंग से साथ साथ मतदान किया गया। उन्हें बड़ा आश्चर्य हो रहा था कि अब इस तरह भी मतदान हो जाता है।

## पूरे क्षेत्र को तालाब बनाने वाले चंद्रभागा नाले को तोड़ेंगे

**इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड**

हर बार बारिश के दौरान चंद्रभागा हनुमान मंदिर से कलालकुई मस्जिद तक का वर्षों पुराना नाला पूरी तरह उफान पर आ जाता है और उसके पानी से सीतलामाता मंदिर, भाट मोहल्ला और कई क्षेत्रों में सडकें लबालब हो जाती हैं। अब निगम वहां वर्षों पुराने नाले को तोडकर नया बड़ा नाला बनाएगा और इसका दो चरणों में काम होगा। इस पर 8 से 9 करोड़ रुपए का खर्च संभावित है और चुनाव बाद टेंडर जारी किए जाएंगे।

हर बार बारिश के दौरान जलजमाव वाले क्षेत्रों को चिन्हित करने का काम झोनल अधिकारियों को करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि इस बार बारिश में जलजमाव की स्थिति से निपटा जा सके। पिछले 15 दिनों से कई झोनल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के ऐसे स्थानों का दौरा कर वहां की सूची बना रहे हैं, साथ ही इस समस्या से कैसे निपटा जा सकता है, इसको लेकर भी प्लानिंग चल रही है। सबसे ज्यादा कलेक्ट्रेट का चौराहा पानी से लबालब हो जाता है, इसलिए निगम वहां समीप ही निर्वाचन कार्यालय के बाहर रिचार्ज साफ्ट लगाने के लिए काम शुरू कर चुका है। अब जूनी इन्दौर क्षेत्र के सबसे ज्यादा जलजमाव वाले क्षेत्र चंद्रभागा को लेकर भी निगम के अफसरों ने बड़ी प्लानिंग की है और इसके प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। चंद्रभागा हनुमान मंदिर से कलालकुई मस्जिद, सीतलामाता मंदिर, भाट मोहल्ला, आलापुरा में जलजमाव हर बारिश के दौरान हो जाता है, जिससे वहां आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया जाता है। इसका सबसे बड़ा प्रमुख कारण सीतलामाता मंदिर के सामने से गुजर रहा वर्षों पुराना बड़ा नाला है, जिसकी कई बार मरम्मत की गई, लेकिन वहां खुली लाइनों से आने वाले पानी के कारण हर बार स्थिति बिगड़ती है।

### अतिक्रमण हटाएंगे... नाला नए सिरे से बनाएंगे

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक चंद्रभागा क्षेत्र में वर्षों पुराने नाले में कई लाइनें जुड़ी हुई है, जिन्हें अब हटाने की कार्रवाई करने के साथ-साथ नाले को नए सिरे से बड़ा बनाया जाएगा, ताकि वहां किसी प्रकार की दिक्कत न रहे। करीब 8 से 9 करोड़ की राशि खर्च कर वहां नाला बनाने के साथ-साथ ड्रेनेज और स्टार्म वाटर लाइन अलग-अलग छोर पर बिछाई जाएगी, जिससे इस परेशानी से निजात मिल सकेगी। अफसरों के मुताबिक इस पूरी योजना का प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं और चुनाव बाद इसके टेंडर जारी किए जाएंगे। इसके लिए क्षेत्र के कई मकानों के ओटले और आगे बढ़ाकर बनाए गए कब्जे भी हटाए जाएंगे।

### दूसरे हिस्से का सिंधी कॉलोनी तक कार्य

कलालकुई मस्जिद से नाले का एक छोर प्रकाश का बगीचा, लोहा मंडी और कुछ अन्य क्षेत्रों से होते हुए सिंधी कॉलोनी में मिलता है। उक्त नाले के आसपास भी कई कब्जे और खुली नालियों और लाइनों के कारण दिक्कतें आती हैं। प्रस्ताव में उक्त नाले के हिस्से में भी कई सुधार कार्य कराए जाएंगे, ताकि चंद्रभागा क्षेत्र में जलजमाव की स्थिति न बने।

## शराब की दुकान पर रहवासियों का धावा, कुलीनों के इलाके स्कीम 140 में ऐसे संडे मनाया

**इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड**

आज सुबह झोन क्रमांक 19 के पास स्कीम नंबर 140 की शराब दुकान का विरोध करने रहवासी पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। विरोध को देखते हुए क्षेत्रिय विधायक महेंद्र हार्डिया भी मौके पर पहुंचे और रहवासियों का साथ देने की बात की।

रहवासियों का कहना है कि नए वित्त वर्ष से यहां शराब दुकान को शिफ्ट किया गया है। जिसके चलते लोगों का जीना दुभर हो गया गया है। दिन हो या रात यहां शराबी दुकान के बाहर मजमा लगाकर शराब पीते हैं। रहवासियों को अपश्बद भी कहते है। महिलाओं और बच्चों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है, जहां शराब की दुकान है, उसके पास आनंदमय मल्टी है, जिसमें ज्यादातर अधिकारी वर्ग रहता है, वह शराब दुकान के विरोध में उतर आया और आज हुए प्रदर्शन में शामिल हुआ। रहवासी इसकी शिकायत कलेक्टर को भी कर चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। आज सुबह जैसे ही वहां रहवासी जमा होकर प्रदर्शन करने पहुंचे सुबह-सुबह शराब पीने वालों में भगदड़ मच गई। शराबियों को रहवासियों ने शराब की बोतल और डिस्पोजल के साथ दौड़ाकर खदेड़ा। प्रदर्शन की खबर विधायक महेंद्र हार्डिया को लगी तो वे भी रहवासियों की पीड़ा सुनने के लिए पहुंचे। रहवासियों का कहना है कि विधायक हमें भरोसा देकर गए है कि विरोध में मैं भी साथ खड़ा हूं। उधर प्रदर्शन के बाद अब रहवासी धरना भी देंगे। उनका कहना है कि जब तक शराब दुकान नहीं हटती तब तक वे विरोध और धरना देते रहेंगे। यह दुकान पहले अग्रवाल पब्लिक स्कूल के सामने थी, उधर टिगरिया बादशाह रोड़ गिरनार सिटी के पास की शराब दुकान का भी रहवासी विरोध कर रहे हैं। कल महिलाएं भी विरोध करने के लिए सडक पर आई और जमकर नारेबाजी की।

### हर जगह की शराब दुकान मुसीबते,

स्कीम नंबर 140 और टिगरिया बादशाह की शराब दुकानें ही आसपास के रहवासियों के लिए मुसीबत नहीं है,बल्कि शहर में कई शराब दुकाने ऐसी भी है जो आसपास के रहवासियों के लिए मुसीबतें बनी हुई है। इन दुकानों के कारण महिलाएं और बच्चे दुकानों के पास से गुजर नहीं सकते। अहाते बंद होने से शराबी दुकान के बाहर ही बैठकर शराब पीते हैं। वे अपशब्द भी कहते हैं। कई बार तो दुकान के पास से गुजरने वालों पर भद्दे कमेंट्स भी करते हैं। ये शराब दुकानें अब पूरे शहर के लिए मुसीबतें बन रही हैं।

## कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जारी किये निर्देश

**इंदौर।** स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा सत्र 2023-24 के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को राज्य शिक्षा केन्द्र ने पत्र लिखा है। कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा 3 जून से 8 जून के मध्य होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रोजेक्ट कार्य के अंकों की प्रविष्टि के संबंध में कहा है कि ऐसे परीक्षार्थी, जो अनुत्तीर्ण हो गये हों या अनुपस्थित रहे हों, उन छात्रों के प्रोजेक्ट कार्य 15 मई तक अनिवार्य रूप से पूरा कर मूल्यांकन किया जाये। इन कक्षाओं के पुनः परीक्षा केन्द्र जनशिक्षा केन्द्र पर ही निर्धारित किये जायें।

## छोटा उदयपुर-धार रेल लाइन की लंबाई 11 किलोमीटर घटी

**इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड**

रेलवे के प्रयास से छोटा उदेपुर-धार रेल लाइन प्रोजेक्ट की लंबाई 11 किलोमीटर घट गई है। ऐसा इसलिए संभव हुआ है, क्योंकि पहले इंदौर-दाहोद और छोटा उदेपुर-धार रेल लाइन का संगम धार में होने वाला था, लेकिन अब रेलवे ने धार के बजाय तिरला में जंक्शन बनाने का फैसला किया है। इससे न केवल जमीन अधिग्रहण का समय बचेगा, बल्कि रेल लाइन की लंबाई भी घट जाएगी। रेलवे को 11 किमी हिस्से में लाइन नहीं बिछाना पड़ेगी, जिससे प्रोजेक्ट जल्दी पूरा हो सकेगा। वैसे भी तिरला से धार के बीच पहले जहां रेल लाइन बिछाने की योजना थी, वहां की भौगोलिक स्थिति चुनौतीपूर्ण है और काम करना आसान नहीं था। रेलवे ने जंक्शन बदलने संबंधी कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली है और अब नए अलाइनमेंट के हिसाब से जमीन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

### इंदौर से वडोदरा के बीच शॉर्टकट रूट

शिलान्यास के वक्त छोटा उदेपुर-धार रेल लाइन प्रोजेक्ट की लंबाई 157 किलोमीटर थी, जो अब घटकर 145.71 किमी रह गई है। इसमें से छोटा उदेपुर-जोबट रेल लाइन वाला हिस्सा रेल यातायात शुरू किया जा चुका है। यह प्रोजेक्ट इंदौर के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह लाइन इंदौर को छोटा उदेपुर होते हुए वडोदरा तक शॉर्ट कट कनेक्टिविटी देगी। अभी इंदौर से वडोदरा जाने के लिए उज्जैन-रतलाम-दाहोद-गोधरा होकर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।

## सहज योग का सामूहिक आत्मसाक्षात्कार : एक क्रांतिकारी खोज

**इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड**

**परम पूज्य श्री माता जी निर्मला देवी जी प्रणित सहज योग के सहस्त्रार दिवस पर कृतज्ञ विश्व उन्हें भाव पुष्प से आदरांजलि दे रहा है। विश्व भर के 98 से अधिक देशों में सहज योग केन्द्रों पर विशेष ध्यान एवं भक्ति संगीत के साथ समर्पण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होने 5 मई 1970 को सहस्त्रार चक्र खोल कर विश्व कल्याण हेतु आत्मा के सामूहिक साक्षात्कार की नवीन पद्धति का अविष्कार कर ध्यान के अनुभव सिद्ध प्रयोग को संपूर्ण विश्व में निशुल्क सुलभ कराया है।**

उल्लेखनीय है कि आध्यात्म का अमूल्य ज्ञान भारत की नींव में बसा है, भारतीय संस्कृति के प्रत्येक गहन भाव में, यहां की परंपराओं के रीति नीतियों के आदिकालीन इतिहास के, यहां की जीवन शैली के किसी भी ओर छोर में, किसी भी तत्व में झांकने पर अध्यात्म के गहरे बीज दिखाई देते हैं। हजारों वर्ष पहले शुरू हुई सत्य को खोजने की गहन जिज्ञासा आज पल्लवित होकर अपनी समूल विशिष्टताओं के साथ बेहद सरल और सहज पद्धति के रूप में श्री माता जी द्वारा सर्व सामान्य के लिए प्रस्तुत की गई है। वे सभी लोग जो अपने जीवन का अर्थ खोज रहे हैं, वे सब लोग जो बनावटी तथा आयोजक जिंदगी में बंधे नहीं रह सकते। वे सभी लोग जो स्तरीय संतोष से लुभाए नहीं जा सकते तथा जिन्हें नैतिकता और मानवता के मूलभूत गुणों पर सदा से विश्वास रहा है। उन्हें सहज योग कुण्डलिनी जागरण की इस उत्क्रांति के विषय में अवश्य ज्ञान होना चाहिये। हिरणमयेनपात्रेण सत्यस्यापिहितम् मुखम अर्थात सत्य का मुख हिरण्य

**सहस्त्रार दिवस विशेष**

मय पात्र से ढका हुआ है ईशावास्योपनिषद का यह श्लोक भारतीय अध्यात्म के गूढ़ अर्थ को अपने में समेटे हुए हैं आखिर वह कौन सा सत्य है जिसका मुख स्वर्ण पात्र से ढका हुआ है। मानव के सिर के तालु पर स्थित सहस्त्रार चक्र वह स्थान है जहाँ से मानव के उत्थान की यात्रा आरंभ होती है। गुरुनानक जी ने इसे ही सच खण्ड कहा है। आज सब इसकी अपनी अपनी व्याख्या करते हैं परंतु वास्तव में यह सत्य ईश्वर से संपर्क करने का परम सत्य है जिसे पाने के लिए सांसारिक धर्म के स्वर्ण मायाजाल को तोड़ना. भौतिक सुख की लालसा में और अधिक और अधिक की मांग करता हुआ समय बिता देता है मानव को भ्रमित करता है परंतु यदि यह भ्रम का पर्दा हट जाए तो सर्वमान्य सत्य प्रकट हो जाता है और वह सत्य है आत्मा में बसे हुए ईश्वर का ज्ञान। जिसे हजारों हजार वर्ष पहले खोजा गया। यह ज्ञान सहज योग के माध्यम से सरलता से साधक को प्राप्त होता है। अर्थात ध्यान के अनुभव सिद्ध प्रयोग के द्वारा साधक के भीतर घटित होता है। जिससे कि उसके भीतर की भ्रम की सुवर्ण माया हटती है और आत्म तत्व में बसे हुए ईश्वर का उससे साक्षात्कार होता है इसे ही सहज योग में आत्मसाक्षात्कार कहते हैं। सहज योग की प्रणेता श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा सहज की ध्यान पद्धति में साधक को अत्यंत सहजता से दिव्य चेतना से जोड़ दिया जाता है। परम चैतन्य से जुड़ने की यह एकाकारिता वहाँ आती है जहां पर कार्य, कारण और परिणाम तीनों का अनुभव होता है। इस योग की प्रक्रिया में ध्यान से जुड़ने की वास्तविक युक्ति सहज योग द्वारा अत्यंत सरलता से निशुल्क सिखाई जाती रही है। आज के व्यस्त समय में ऑन लाइन आत्म साक्षात्कार कराया जा रहा है जिसमे अनुभव सिद्ध ध्यान और मेडीटेशन को निशुल्क सिखाया जा रहा । इस हेतु वेबस्थली www. sahajayoga. org. in पर ध्यान या आत्मसाक्षात्कार टाइप कर इसे अनुभव किया जा सकता है।साथ ही टोल फ्री नंबर 18002700800 की सुविधा भी उपलब्ध है।

## देहदानी स्व. सतीश कारोले स्मृति समिति, पंचकोशी यात्रा उज्जैन में 1 से 7 मई तक सेवा शामिल

**इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड**

महाकाल की नगरी उज्जैन में 118 किलोमीटर की पंचकोशी यात्रा एवं साधना करने वाले नागरिक, मातृशक्ति और उनके परिजन आज1 मई से गर्मी की चिलचिलाती धूप मेंप्रारंभ कर चुके हैं सेवा में परंपरागत इस वर्ष भी पिंगलेश्वर से देहदानी स्वर्गीय सतीश कारोले स्मृति समिति के पदाधिकारी सदस्य, अपनी श्रम सेवा तथा जल सेवा शरबत और कच्ची पक्की भोजन समग्री का वितरण प्रारंभ कर ,अनंत आनंद की अनुभूति इस सेवा यज्ञ के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं' साथ साथ स्वच्छता का भी ध्यान रख अपनी श्रम सेवा प्रदान कर रहे हैं और यात्रा में भी पैदल चल रहे हैं ' इसके अंतर्गत पिगलेश्वर,३ करोहन, अंबोदिया, जेथल, उंडासा पड़ाव पर अलग-अलग सहयोगी पदाधिकारी अपनी सेवाएं निरंतर अलग-अलग तिथी मै मातृशक्ति प्रमुख श्रीमती शीला सतीशकरोले , एवं अनिकेत करोले,कमल मोतीलाल सुलानिया संजय सेवालाल गोठवाल परिवार टीम के नेतृत्व में क्रमशः 1 मई से जारी है और इसे 7 में तक जारीरखेंगे। गत दिवस संसद सदस्य राज्यसभा बाल योगी उमेश नाथ जीमहाराज उज्जैन सांचीडेरी सीईओ श्री चंद्रभान सिंह, तथा गुरुजी ठंडई संचालक समाजसेवी श्री राधेश्याम शर्मा, , पूर्व आईपीएस डीआईजी धर्मेंद्र चौधरी,उज्जयिनी सेवा समिति के प्रमुख पत्रकार घनश्याम पटेल, पिंगलेश्वरसरपंच अर्जुन पटेल,सहित अनेको गणमान्य नागरिकों का नागरिकों काआशीर्वाद एवं सहयोग भी समिति के सदस्यों को सेवा के दौरान प्राप्त रहा।

सम्पादकीय

# 22 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्यों याद आया गोधरा कांड

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 साल बाद लोकसभा चुनाव के दौरान 2002 में हुए गोधरा कांड की याद दिलाते हुए विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को हाल ही में दिए गए बयान में लपेटने की कोशिश की है।इसे राजनीतिक हलकों में आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है। 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस 6 कोच में गोधरा में आग लगी थी।तब गुजरात में नरेंद्र भाई मोदी मुख्यमंत्री थे। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार थी। गुजरात सरकार ने कहा था, कि कार सेवक जिस डब्बे में बैठे हुए थे। उसमें एक धर्म विशेष के लोगों ने आग लगाई है। जिसे गोधरा कांड के नाम से जाना गया। इसके बाद गुजरात में भारी नरसंहार हुआ। गुजरात में हुए दंगों में हजारों लोग मारे गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मुख्यमंत्री मोदी से राजधर्म निभाने की अपील की थी। अटल बिहारी वाजपेई उनका इस्तीफा लेना चाहते थे। तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के बीच इस्तीफे को लेकर मतभेद होने के कारण गुजरात मे नरेंद्र मोदी की सरकार बची रही। गोधरा दंगो के लगभग 9 माह बाद दिसंबर 2002 में विधानसभा के चुनाव हुए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत से जीत हासिल हुई। उसके बाद लगभग 14 महीने बाद मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने दूसरी बार शपथ ली। मोदी का गुजरात मॉडल और हिंदू प्रयोगशाला की सफलता के रूप में इसे जाना गया। 2002 के बाद हिंदी भाषी राज्यों में धार्मिक धुर्वीकरण का प्रयोग गुजरात मॉडल के रूप में किया गया। जिसके कारण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में बड़ा लाभ भाजपा को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार के रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाला साधा है। उन्होंने 2004 में यूसी बनर्जी कमेटी का गठन किया था।17 जनवरी 2005 को कमेटी की रिपोर्ट आ गई थी। जिसमें बताया गया था, कि ट्रेन में आग दुर्घटनावश लगी थी। ट्रेन के कोच में आग किसी के द्वारा नहीं लगाई गई थी। इस कमेटी की रिपोर्ट को गुजरात सरकार ने ठुकरा दिया था। गुजरात सरकार ने मार्च 2002 मे नानावटी शाह आयोग से गोधरा कांड की जांच कराई जा रही थी।18 दिसंबर 2008 को इसकी रिपोर्ट आई। जिसमें गोधरा कांड को पूर्व नियोजित साजिश बताया गया। इसकी रिपोर्ट आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर गोधरा कांड को लेकर जो आरोप लग रहे थे। उससे उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी। 22 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर गोधरा कांड का उल्लेख किया है। निश्चित रूप से एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी गोधरा की याद दिलाकर,धार्मिक ध्रुवीकरण को तेज करना चाहते हैं। अगले पांच चरणों में उत्तर प्रदेश की 62 और देशभर की 352 लोकसभा सीटों के चुनाव होना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद जो ध्रुवीकरण होना था,वह नहीं हुआ। धारा 370 लागू करने के बाद, कश्मीर घाटी और लद्दाख में भाजपा चुनाव नहीं लड़ पा रही है। महंगाई, बेरोजगारी और भारी टैक्सेशन के कारण जनता के बीच सरकार से नाराजी बढी है। मोदी और डबल इंजन की सरकारों के होते हुए,पिछले 10 वर्षों में हिंदुओं को मुसलमानो से डराने का जो अभियान चलाया जा रहा है। वह मतदाताओं को अब प्रभावित नहीं कर रहा है। किसी को भी ज्यादा दिनों तक डराकर नहीं रखा जा सकता है। गोधरा को एक बार फिर लोकसभा चुनाव में लाकर क्या धार्मिक धुर्वीकरण कराने की तैयारी हो रही है। प्रधानमंत्री ने जो आरोप सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव के ऊपर लगाया है। उनका गोधरा कांड से कोई लेना-देना नहीं था। केंद्र सरकार की भूमिका बहुत सीमित थी। नानावटी शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ही सारी कार्रवाई गुजरात सरकार के निर्देशन में हुई। कानून व्यवस्था राज्य का अधिकार है। 2024 के लोकसभा चुनाव मे सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को निशाने पर लेना है। जो यह बताता है,गोधरा को जिंदा करके 2024 का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लड़ना चाहते हैं। यह उनके लिए एक बड़ा जोखिम भी हो सकता है। उन्होंने यह जोखिम उठाया है, तो इसके पीछे कोई ना कोई बड़ा कारण तो होगा।

# मानवता को शर्मसार करती मानव तस्करी...

-प्रियंका सौरभ | लेखिका

**मावनता को शर्मसार कर देने वाली मानव तस्करी सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग है, मानव तस्करी आधुनिक दुनिया में होने वाले सबसे विनाशकारी मानवाधिकार उल्लंघनों में से एक है। हर 30 सेकंड में एक व्यक्ति या बच्चे की तस्करी की जाती है, 3.8 मिलियन वयस्कों की तस्करी की जाती है और उन्हें यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है, और हर साल दस लाख बच्चों को जबरन यौन शोषण के लिए तस्करी कर लाया जाता है, बंधुआ मजदूरी भारत की सबसे बड़ी मानव तस्करी की समस्या है, जिसमें पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को कर्ज-बंधन, पिछली पीढियों से विरासत में मिले ईट-भट्टों, चावल मिलों और कारखानों में काम करने के लिये मजबूर होना पड़ता है।**

ग्लोबल हेराल्ड

मानव तस्करी में बल, धमकी या जबरदस्ती जैसे तरीकों का उपयोग करके व्यक्तियों को परिवहन करना, भर्ती करना, स्थानांतरित करना, आश्रय देना और प्राप्त करना शामिल है। इन कृत्यों और साधनों का अंतिम उद्देश्य इन व्यक्तियों का शोषण के उद्देश्य से उपयोग करना है। इन व्यक्तियों का शोषण वेश्यावृत्ति, अंग व्यापार, यौन शोषण, जबरन श्रम, दासता और दासता जैसे विभिन्न अत्यंत अपमानजनक रूप लेता है। जिन व्यक्तियों की तस्करी की जाती है उनमें सबसे अधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की होती है जिनका उपयोग विभिन्न अनैतिक प्रकार के श्रम या यौन शोषण के लिए किया जाता है। मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और इसे मानव तस्करी का स्रोत, पारगमन और गंतव्य माना जाता है। किसी एक राज्य की सीमाओं के भीतर तथा अंतरराज्जीय मानव तस्करी के अलावा नेपाल और बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी भी काफी लंबी खुली सीमा होने के कारण भारत में होती है। पश्चिम बंगाल मानव तस्करी का नया केंद्र बनकर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनियाभर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं।

एक अनुमान के अनुसार पिछले एक दशक में बांग्लादेश से लगभग 5 लाख महिलाएँ, लड़कियाँ और बच्चे अवैध रूप से भारत में लाए गए और यह संख्या साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल आज भारत का सबसे बड़ा सेक्स बाजार बनकर उभरा है और आँकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। देशभर के कोठों में देह व्यापार करने वाली जो लड़कियाँ रिहा कराई गईं, उनमें प्रति 10 लड़कियों में से 7 उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना से लाई जाती हैं। इन लड़कियों में सबसे बड़ा डर पकड़े जाने का होता है, क्योंकि जब इन्हें रिहा कराकर घर वापस भेजा जाता है तो सामाजिक बदनामी से बचने के लिये परिवार वाले इन्हें स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं। पकड़े जाने से बचने के लिये इन लड़कियों के दलाल अपने रहने का ठिकाना और मोबाइल के सिम कार्ड लगातार बदलते रहते हैं। बांग्लादेश के साथ लगा बेनोपोल बॉर्डर मानव तस्करी के लिये दलालों द्वारा सर्वाधिक प्रयोग में लाया जाने वाला रास्ता है और बांग्लादेशी दलालों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने मजबूत ठिकाने बना लिये है। बांग्लादेशी लड़कियों को आकर्षक रोजगार, वेतन और सुविधाओं के अलावा विवाह तथा फिल्मों में काम करने का लालच देकर भारत लाया जाता है, जहाँ मुंबई, हैदराबाद और बंगलूरु इनके पसंदीदा ठिकाने माने जाते हैं। तस्करी उन स्थानों पर पनपती है जहां व्यापक गरीबी है। माता-पिता अपने बच्चों को बेच देते हैं क्योंकि गरीबी के कारण उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचता है, वे अक्सर सोचते हैं कि अपने बच्चों को बेचने से वे उन जगहों पर चले जाएंगे जो बहुत बेहतर हैं और जहां उनके जीवन में सुधार होगा। समाज के सबसे कमजोर वर्गों में से एक, जो तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील है, युवा महिलाएं हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश समाजों में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महिलाओं को अवमूल्यन और अवांछित माना जाता है और इस तरह वे तस्करी की प्रथा के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। उन जगहों से पलायन करने की इच्छा जहां उनका जीवन दयनीय है, व्यक्तियों को तस्करों से संपर्क करने के लिए तैयार करती है जो शुरूआती चरणों में उन्हें बेहतर जीवन के वादे के साथ लुभाते हैं, लेकिन एक बार जब पीड़ित उनके नियंत्रण में आ जाते हैं, तो उन्हें झुकाने के लिए जबरदस्ती के उपाय लागू किए जाते हैं। अन्य कारण हैं सीमाओं की छिद्रपूर्ण प्रकृति, भ्रष्ट सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों या नेटवर्क की भागीदारी और सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए आव्रजन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों की सीमित क्षमता या प्रतिबद्धता। पिछले कुछ वर्षों में तस्करी का खतरा ड्रग सिंडिकेट के बराबर एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट बन गया है। इसने पैसे और भ्रष्ट राजनेताओं की मदद से समाज में अपनी जड़ें गहरी जमा ली हैं। भारतीय कानूनी ढांचे में ठोस परिभाषाओं की कमी भी इस उद्देश्य में मदद नहीं करती है क्योंकि विभिन्न तस्कर कानूनी प्रणालियों में तकनीकी खामियों के आधार पर छूट जाते हैं। ठोस परिभाषाओं के बिना भी, कानून पर्याप्त होने चाहिए थे, लेकिन भारत में इन कानूनों के कार्यान्वयन में बहुत कुछ अधूरा रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर निगरानी की कमी ने तस्करों के लिए अपना व्यापार जारी रखने के लिए एक नया मंच खोल दिया है। तस्करी की समस्या पर डेटा अपर्याप्त है, इसलिए तस्करों के पैटर्न और कार्य तंत्र उतने स्पष्ट नहीं हैं जितना होना चाहिए। यहां तक कि जब पीड़ितों को तस्करों से बरामद किया जाता है तो उनका पुनर्वास इस तरह से नहीं किया जाता है कि वे दोबारा तस्करी का शिकार न हों। मानव तस्करी का खतरा बहुत बड़ा है और न केवल ऐसे अपराधों को रोकने की जरूरत है बल्कि यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि राहत और पुनर्वास प्रक्रिया सुचारू रूप से हो। नीतियों में और सुधार करने की आवश्यकता है और विभिन्न एजेंसियों और हितधारकों द्वारा उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। मानव तस्करी से सुरक्षा का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है। देश के हर बच्चे, हर पुरुष और हर महिला को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए इस अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए। मानव तस्करी वर्तमान विश्व के सम्मुख उपस्थित कई बड़ी समस्याओं में से एक है। तमाम कोशिशों के बावजूद इसे रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है और न केवल अल्प-विकसित और विकासशील देश बल्कि विकसित राष्ट्र भी इस समस्या से अछूते नहीं है। मानव तस्करी भारत की भी प्रमुख समस्याओं में से एक है।

# भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती उत्पादों की मांग

भारत में आज भी लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है एवं अपने जीवन यापन के लिए मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर ही आश्रित रहती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार किये जा रहे विकास कार्यों के चलते इन क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत व्यय की जाने वाली राशि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। इससे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कुछ कम हुआ है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के खंडकाल में शहरों से ग्रामीण इलाकों की ओर शिफ्ट हुए नागरिकों में से अधिकतर नागरिक अब ग्रामीण क्षेत्रों में ही बस गए हैं एवं अपने विशेष कौशल का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को प्रदान कर रहे हैं। हाल ही में जारी किए गए कुछ सर्वे प्रतिवेदनों के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की एक नई कहानी लिखी जा रही है क्योंकि अब विभिन्न उत्पादों की मांग ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। उपभोक्ता वस्तुओं एवं ऑटो निमार्ता कम्पनियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही के समय में उपभोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं एवं दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों (ट्रैक्टर सहित) की मांग में तेजी दिखाई दे रही है, जो कि वर्ष 2023 में लगातार कम बनी रही थी। यह संभवतः रबी फसल के सफल होने के चलते भी सम्भव हो रहा है।

उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी हाल ही में सम्पन्न अपनी द्विमासिक मोनेटरी पॉलिसी की बैठक में रेपो दर में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की है, ताकि बाजार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में, उत्पादों की मांग विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हो, ताकि इससे अंततः वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के आर्थिक विकास की दर भी अच्छी बनी रहे। भारत में पिछले कुछ समय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादों की मांग, शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध मांग की तुलना में कम ही बनी रही है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के बाद से इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दिया है एवं अब ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई देने लगी है। यह तथ्य विकास के कुछ अन्य सूचकांकों से भी उभरकर सामने आ रहा है। जनवरी-फरवरी 2024 माह में दोपहिया वाहनों की बिक्री में, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान की बिक्री की तुलना में, 30.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है, जो हाल ही के कुछ वर्षों में अधिकतम वृद्धि दर मानी जा रही है। दोपहिया वाहनों की बिक्री ग्रामीण इलाकों (लगभग 10 प्रतिशत) में शहरी इलाकों (लगभग 7 प्रतिशत) की तुलना में अधिक रही है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले रोजगार के अवसरों की मांग में भी फरवरी-मार्च 2024 माह के दौरान 9.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध हो रहे हैं। इसी प्रकार, ट्रैक्टर की बिक्री में भी जनवरी-फरवरी 2024 माह के दौरान 16.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में कुल 892,313 ट्रैक्टर की बिक्री हुई है जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है। भारत के मौसम विभाग द्वारा जारी की गई भविष्यवाणी के अनुसार, वर्ष 2024 के मानसून मौसम के दौरान भारत में मानसून की बारिश के सामान्य से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना है। इससे भारत के किसानों में हर्ष व्याप्त है क्योंकि मानसून के अच्छे होने से खरीफ की फसल के भी बहुत अच्छे रहने की सम्भावना बढ़ गई है। मौसम विभाग के सोचना है कि इस वर्ष अल नीनो के स्थान पर ला नीना का प्रभाव दिखाई देगा। अल नीनों के प्रभाव में देश में बारिश कम होती है एवं ला नीना के प्रभाव में देश में बारिश अधिक होती है। साथ ही, भारतीय किसान अब तिलहन, दलहन एवं बागवानी की फसलों की ओर भी आकर्षित होने लगे हैं। दालों, वनस्पति, फलों एवं सब्जियों के अधिक उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि दृष्टिगोचर है। केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न खाद्य उत्पादों की बिक्री के लिए ई-पोर्टल के बनाए जाने के बाद से तो भारतीय किसान अपनी फसलों को वैश्विक स्तर पर सीधे ही बेच रहे हैं और अपने मुनाफे में वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी है एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में भी नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग सामान्यतः अच्छे मानसून के पश्चात अच्छी फसल एवं विभिन्न सरकारों, केंद्र एवं राज्य सरकारों, द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों पर किए जा रहे खर्चों में बढ़ौतरी के चलते ही सम्भव होती है। केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की गई विकास की विभिन्न योजनाओं पर व्यय में लगातार वर्ष दर वर्ष वृद्धि की जा रही है एवं इसके लिए केंद्रीय बजट में भी बढ़े हुए व्यय का प्रावधान प्रति वर्ष किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं इन इलाकों में विभिन्न उत्पादों की मांग भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। नीलसन द्वारा किए गए एक सर्वे के यह बताया गया है कि जनवरी एवं फरवरी 2024 माह में भारत में विभिन्न उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में मांग 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। विशेष रूप से फरवरी 2024 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में वृद्धि लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। रबी की फसल के भी अच्छे रहने की सम्भावना बलवती हुई है जिसके कारण किसानों की मनोदशा भी सकारात्मक बन रही है और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक वृद्धि दर को बलवती करने के मुख्य भूमिका निभाने जा रही है। आज देश की लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है यदि ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों की मनोवृत्ति सकारात्मक हो रही है तो निश्चित ही वित्तीय वर्ष 2024-25, आर्थिक विकास की दृष्टि से अतुलनीय परिणाम देने वाला वर्ष साबित होने जा रहा है।

प्रहलाद सबनानी
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

## संत की उदारता...

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं। इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

# व्यापार

## मारुति सुजुकी अर्टिगा सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार

नई दिल्ली ■

मारुति सुजुकी अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार बन गई है। यह 7 सीटर बेहतरीन इंजन और माइलेज के साथ आती है। कंपनी कार को सीएनजी वेरिएंट में भी ऑफर करती है। आइए आपको बताते हैं इसमें क्या खास है और क्यों ये कार लोगों की पसंद लगातार बनी हुई है। अर्टिगा की कीमत की बात की जाए तो इसका बेस वेरिएंट 8.69 लाख रुपये की एक्स शोरूम में उपलब्ध है।

वहीं कार का टॉप वेरिएंट 13.03 लाख रुपये (एक्स शोरूम) कीमत पर मिल रहा है। कार के अलग-अलग वैरिएंट में आपको 7-इंच स्मार्टप्ले प्रो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी (टेलीमेटिक्स), क्रूज कंट्रोल, ऑटो हेडलैंप्स, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, पैडल शिफ्टर्स, 4 एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, ब्रेक असिस्ट, रियर पार्किंग सेंसर्स, आईएसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज, ईएसपी के साथ हिल होल्ड कंट्रोल जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं। कार में मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन भी मिलता है। वहीं नेक्सॉन की बात की जाए तो 1.2 लीटर इंजन के साथ आती है। अब अर्टिगा के माइलेज की बात की जाए तो ये पेट्रोल पर 24 किलोमीटर प्रति लीटर और सीएनजी पर 30 किलोमीटर प्रति किलो तक का माइलेज दे देती है। मारुति अर्टिगा 1.5 लीटर का डुअलजेट पेट्रोल इंजन ऑफर करती है। ये माइल्ड हाईब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ आता है। ये इंजन 103 बीएचपी की पावर और 136.8 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं सीएनजी पर भी कार की पावर कम नहीं है।

## ट्रेडमार्क पर विवाद को लेकर टेस्ला गुरुग्राम की कंपनी के खिलाफ कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली ■

इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला इंक ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एलन मस्क की कंपनी ने गुरुग्राम बेस्ड कंपनी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह मामला ट्रेडमार्क के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है जिस कंपनी के खिलाफ टेस्ला इंक हाई कोर्ट पहुंची है, उसका नाम टेस्ला पावर इंडिया है। टेस्ला इंक ने हाई कोर्ट से मांग की है कि वह टेस्ला पावर इंडिया को ट्रेडमार्क टेस्ला का इस्तेमाल करने से रोके। टेस्ला इंक की ओर से कोर्ट में पेश हुए एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि ट्रेडमार्क के गलत इस्तेमाल से अमेरिकी कंपनी की प्रतिष्ठा पर आंच आ रही है और उसके व्यावसायिक हित प्रभावित हो

रहे हैं। उन्होंने कहा कि नाम के इस्तेमाल से ग्राहकों को भी भ्रम हो रहा है। टेस्ला पावर की बैटरी के खिलाफ आने वाली शिकायतें अमेरिकी कंपनी ईवी मेकर टेस्ला इंक को रिडाइरेक्ट कर दी जा रही हैं, क्योंकि ग्राहक उसे एलन मस्क की कंपनी से जुड़ा हुआ मान ले रहे हैं। अ?धिवक्ता का आरोप है कि गुरुग्राम बेस्ड कंपनी टेस्ला पावर अपनी बैटरियों का अखबारों में विज्ञापन दे रही है, जिनमें वह खुद को एक इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी के रूप में दिखा रही है।

## देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

**नई दिल्ली।** वैश्विक बाजार में शनिवार और रविवार को कामकाज नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हैं। भारत में हर दिन की तरह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की नई कीमत जारी कर दी गई है। हर रोज सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां ईंधन के नए भाव जारी करती हैं। देश के कुछ राज्यों व शहरों में रविवार को पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़े हैं जबकि कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा और झारखंड समेत कुछ प्रदेशों में भाव घटे हैं।

## 1 लाख रुपये से कम में खरीदें ये दो इलेक्ट्रिक स्कूटर

मुंबई ■

ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने अपने दो इलेक्ट्रिक स्कूटर भारतीय बाजार में उतार दिए हैं। इसमें कंपनी एक हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर ओडिसी स्नैप और एक लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर ओडिसी ई2 लेकर आई है। हाई स्पीड ओडिसी स्नैप की कीमत 79,999 रुपये और लो-स्पीड ओडिसी ई2 की कीमत 69,999 रुपये एक्स शोरूम है।

इस हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर में 2000 वॉट की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है। ओडिसी स्नैप की टॉप स्पीड 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। कंपनी का दावा है कि यह इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंगल चार्ज में 105 किलोमीटर की रेंज देगा। इतना ही नहीं ओडिसी स्नैप को चार्ज करने में चार घंटे से कम समय लगेगा। कंपनी का कहना है कि स्नैप इलेक्ट्रिक स्कूटर आईपी 67-

रेटिंग, एआईएस 156 सर्टिफाइड एलएफपी बैटरी के साथ सीएएन-इनेबल डिस्प्ले के साथ आता है, जो बैटरी लेवल और रेंज की सटीक जानकारी देता है। इस मॉडल में क्रूज कंट्रोल फीचर भी दिया गया है। इस लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर में 250-वॉट की मोटर दी गई है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की टॉप स्पीड 25 किलोमीटर प्रति घंटा है। कंपनी दावा है कि यह सिंगल चार्ज में 70 किलोमीटर की रेंज ऑफर करती है। इस स्कूटर में दी गई बैटरी को चार्ज होने में 4 घंटे का समय लगता है।

**न्यूज ब्रीफ**

## वृद्धजन एवं दिव्यांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट से किया मताधिकार का उपयोग

**सेंधवा (निर्मला वर्मा)।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ राहुल फटिंग के निर्देशन में लोकसभा चुनाव 2024 के तहत जिले में पोस्टल बैलेट के माध्यम से वृद्ध जन एवं दिव्यांगजनों के घर पर होने वाले मतदान का कार्य रविवार से प्रारंभ हो गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोहन कनाश ने बताया की 5 और 6 मई को जिले की चारो विधानसभाओं में मतदान दल के सदस्य घर - घर जाकर वृद्ध जन एवं दिव्यांग मतदाताओं से मतदान कराएंगे। अगर किसी कारणवश 5 और 6 मई को मतदाता घर पर नहीं मिलते है तो 7 और 8 मई को पुनः टीम उनके घर जाकर मतदान करवाएगी। विधानसभा पानसेमल में रविवार को 90 वर्षीय श्रीमती पतासी बाई का मतदान कराने दिव्यांग मतदान अधिकारी तीसरी मंजिल पर पहुंचे। पतासी बाई चलाने में असक्षम है वे दल को देखकर प्रसन्न हुई और खुशी से उन्होंने अपना मतदान किया। मतदान के पश्चात उन्होंने सभी से मतदान करने की अपील भी की।

## बीवी की मौत के बाद 3 साल तक भतीजी से फूफा मिटाता रहा हवस की प्यास, ऐसे खुला राज

**ग्वालियर।** ग्वालियर में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक फूफा ने अपनी ही नाबालिग भतीजी को अपनी हवस का शिकार बना डाला।

आरोपी फूफा तीन साल से नाबालिग से रेप कर अपनी हवस की प्यास मिटा रहा था। नाबालिग के पेट में दर्द हुआ और जब परिजन उसे डॉक्टर के पास लेकर गए तो उसके गर्भवती होने का पता चला। जिसके बाद नाबालिग ने फूफा की काली करतूत के बारे में परिजन को बताया। मामला गिरवाई थाना इलाके का है। आरोपी फूफा का नाम पूरन कुशवाह है जो कि अपनी पत्नी की मौत के बाद से ससुराल में रही रह रहा था। पत्नी की मौत के बाद से आरोपी पूरन की नजर पत्नी की नाबालिग भतीजी पर थी। 2021 में एक दिन आरोपी ने नाबालिग को डरा धमकाकर अपनी हवस का शिकार बनाया और धमकी दी की अगर किसी को बताया तो जान से मार देगा। नाबालिग डर के कारण चुप रही तो आरोपी की हिम्मत बढ़ गई और फिर वो लगातार उसे हवस का शिकार बनाने लगा। आरोपी नाबालिग से करीब तीन साल से ज्यादती कर रहा था। फूफा की हैवानियत से नाबालिग प्रेग्नेंट हो गई। जब नाबालिग के पेट में दर्द हुआ तो परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए। जहां नाबालिग के प्रेग्नेंट होने का पता चला। इसके बाद परिजन ने बच्ची से पूछताछ की तो उसने फूफा की काली करतूत के बारे में बताया। बच्ची की आपबीती सुनने के बाद परिजन उसे पुलिस थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। आरोपी फूफा पूरन कुशवाह शिकायत दर्ज होने पर फरार हो गया जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

## भागवत कथा में महाराष्ट्रीयन ब्राम्हण समाज पूज्य महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया

**सेंधवा (निर्मला वर्मा)।** महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण समाज सेंधवा द्वारा आज सुबह सेंधवा में भव्य भागवत कथा का आयोजन श्रीमान राजेंद्र पुरणमल शर्मा जी के द्वारा किया जा रहा हैउसमें परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री दिव्य मुरारी बापू जी पुष्कर वाले गुरुजी का महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण समाज की तरफ से स्वागत सम्मान किया गया उन्होंने पूरे समाज को आशीर्वाद देकर अपने वचनों से आशीर्वाद दिया एडवोकेट मुरूदेश्वर देसाई एडवोकेट श्याम एकडी महा सचिव संतोष वैद्य सचिव दीपक उज्जैनकर अशोक पाटिल बड़वानी महिला अध्यक्ष सुप्रिया वैद्य पुष्पा देसाई मेधा एकडी समाज के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

# तीसरे चरण की 94 लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार खत्म, दिग्गजों की किस्मत दांव पर

**नई दिल्ली/भोपाल ■**

लोकसभा चुनाव में आगामी 7 मई को होने वाले तीसरे चरण के मतदान के लिए आज यानी 5 मई को शाम 6 बजे चुनाव प्रचार थम गया। अब प्रत्याशी घर-घर जाकर लोगों से वोट की अपील करेंगे। तीसरे चरण में 12 राज्यों के 94 लोकसभा सीटों के लिए वोट पड़ेंगे। अब तक देश में लोकसभा के पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान हुआ। इसके बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हुआ। अब 7 मई को तीसरे चरण के मतदान होंगा। इसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवे, 25 मई को छठे, 1 जून को सातवें चरण के मतदान होंना है। वहीं 4 जून को वोटों की गिनती की जाएगी। तीसरे चरण के चुनाव में अमित शाह, शिवराज चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों का फैसला होगा।

### लोकसभा चुनाव चरण 3 में मतदान करने वाले निर्वाचन क्षेत्रों की सूची

**असम:** धुबरी, कोकराझार, बारपेटा, गौहाटी
**बिहार:** झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, खगड़िया
**छत्तीसगढ़:** सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव
**गोवा:** उत्तरी गोवा, दक्षिणी गोवा
**गुजरात:** कच्छ, बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम, सुरेंद्रनगर, राजकोट, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, आनंद, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदयपुर, भरूच, बारडोली , नवसारी, वलसाड
**कर्नाटक:** चिक्कोडी, बेलगाम, बागलकोट, बीजापुर, गुलबर्गा, रायचूर, बीदर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे, शिमोगा
**मध्य प्रदेश:** मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़, बैतूल
**महाराष्ट्र:** बारामती, रायगढ़, धाराशिव, लातूर (एससी), सोलापुर (एससी), माधा, सांगली, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, हटकनंगले
**उत्तर प्रदेश:** संभल, हाथरस, आगरा (एससी), फतेहपुर सीकरी, फि रोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूँ, आंवला, बरेली
**पश्चिम बंगाल:** मालदाहा उत्तर, मालदाहा दक्षिण, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद

### चुनाव आयोग तैयारियों में जुटा...

चुनाव आयोग तीसरे चरण की वोटिंग को लेकर तैयारियों में जुटा हुआ है। चुनाव आयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान के कई कार्यक्रम चला रहा है। अगर इंटरनेट मीडिया पर प्रचार-प्रसार के लिए किसी तरह की पोस्ट, वीडियो या संदेश अपलोड किया या उसे फारवर्ड किया, तो उसका पता जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मानिटरिंग कमेटी लगाएगी। इसके लिए साइबर सेल की मदद ली जाएगी। इस बार भी मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम छह बजे तक रहेगा।

### तीसरे चरण में इन बड़े चेहरों पर रहेगी नजर

- केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह गुजरात के गांधीनगर से चुनाव लड़ रहे हैं।
- केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना से चुनाव लड़ेंगे।
- बीजेपी ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा से मैदान में उतारा है।
- कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह राजगढ़ से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे
- एनसीपी (सपा) नेता और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले अपनी भाभी सुनेत्रा पवार के खिलाफ बारामती से चुनाव लड़ेंगी, जो महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी हैं।
- लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल की बहरामपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे।
- समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव मैनपुरी से चुनाव लड़ेंगी।
- केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी कर्नाटक के धारवाड़ से चुनाव लड़ेंगे
- उद्योगपति पल्लवी डेम्पो भाजपा के टिकट पर दक्षिण गोवा सीट से चुनाव लड़ेंगी।
- ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल असम के धुबरी से चुनाव लड़ेंगे।
- इसके अलावा, भाजपा के बड़े चेहरों में एटा से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह, मैनपुरी से पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह, बरेली से पूर्व राज्य मंत्री छत्रपाल गंगवार, हाथरस से राजस्व राज्य मंत्री अनूप वाल्मीकि व आगरा से केंद्रीय राज्य मंत्री और मौजूदा सांसद एसपी सिंह बघेल शामिल हैं। साथ ही सैफई के यादव परिवार के तीन बड़े चेहरे चुनावी मैदान में हैं। इनमें मैनपुरी से डपल यादव, बदायूं से शिवपाल सिंह यादव के पुत्र आदित्य यादव और फिरोजाबाद से प्रोफेसर राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के ब्रज और रुहेलखंड में 10 सीटों के लिए 100 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

## शहीद पुलिसकर्मी के शव से लिपटकर बिलखती रहीं बच्चियां, पत्नी बदहवास, पैतृक गांव में होगा अंतिम संस्कार

**शहडोल ■**

कल तक पिता की गोद मे खेलने वाली बच्चियों के सिर से अब पिता का साया हमेशा के लिए छिन चुका है। वहीं इनकी मां का सुहाग भी अब उजड़ गया है। पिता के खून से लथपथ शव से लिपटकर ये बच्चियां बिलख रही हैं। वहीं पत्नी सुहाग उजड़ जाने के बाद से बदहवास है। पोस्टमार्टम के बाद अब ब्योहारी थाने में पदस्थ एएसआई महेन्द्र बागरी का शव उनके पैतृक गांव सतना जिले के ग्राम मसनहा भेज दिया गया है। जहां राजकीय सम्मान के साथ कर्तव्य का निर्वहन करते शहीद हुए एएसआई बागरी का अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिजनों के साथ जिला पुलिस बल के कुछ पुलिस अधिकारी व जवानों को भी भेजा गया है। शहीद

पुलिसकर्मी बागरी की तीन बेटियों मे आयुषी (14) सबसे बड़ी है। जबकि दूसरी पुत्री परी 6 वर्ष तथा तीसरी सबसे छोटी बेटी शिवि की उम्र अभी महज तीन साल ही है। इन सभी का एकलौता सहारा थे शहीद महेन्द्र बागरी। जो अब इस इन बच्चियों को दुनिया मे छोड़कर हमेशा के लिए जा चुके हैं।

### चालक व पायलट गिरफ्तार, वाहन मालिक फरार

बीते रात्रि ब्योहारी थाना क्षेत्र के खदौली के पास रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर एएसआई महेन्द्र बागरी को मौत के घाट उतार दिया था। घटना के बाद रात्रि में ही ट्रैक्टर चालक विजय उर्फ राज रावत पिता मोलई कोल (19) निवासी ग्राम जामोड़ी थाना ब्योहारी व रेकी करने वाले पायलट आशुतोष सिंह पिता सुरेन्द्र सिंह बघेल निवासी ग्राम जमोड़ी थाना ब्योहारी को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं फरार आरोपी सुरेन्द्र सिंह जो कि घटना के बाद से फरार है। उसके ऊपर तीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। शहीद सहायक उपनिरीक्षक महेन्द्र बागरी वर्ष 2007 में पुलिस विभाग में बतौर आरक्षक भर्ती हुए थे। इसके बाद जिले के विभिन्न थानो मे पदस्थ रहे। फिर पहली पदोन्नति वर्ष 2013 मे होने के बाद प्रधान आरक्षक बने। वर्ष 2020 में सहायक उपनिरीक्षक के रूप मे पदोन्नत हुए। इस प्रकार पिछले 17 वर्ष वर्षों से बागरी जिला पुलिस मे अपनी सेवाएं दे रहे थे।

## सिंधिया की मां की तबीयत हुई नाजुक,

**गुना।** गुना लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया की तबीयत फिर बिगड़ गई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व उनका पूरा परिवार चुनावी प्रचार में पिछले एक माह से गुना-अशोकनगर व शिवपुरी में था। इसी बीच लगातार केंद्रीयमंत्री की माता माधवी राजे सिंधिया जी की तबियत में उतार-चढ़ाव की सूचना आ रही थी। परसों रात में एक बड़ी सर्जरी हुई थी। स्थिति को गम्भीर देखते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया जी की धर्म पत्नी एक तारीख को दिल्ली रवाना हो गई थीं। रविवार को डॉक्टर द्वारा गंभीर स्थिति व अत्यधिक क्रिटीकल की सूचना दी गई। इस स्थिति को देखकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सुबह मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ मुंगावली की सभा कर, भोपाल से दिल्ली रवाना हो गए हैं।

## युवक की गोली लगने से मौत, परिजन बोले- हत्या हुई है; पुलिस ने आत्महत्या की बात कही

**छतरपुर।** छतरपुर जिले के बारी गांव में युवक की गोली लगने से मौत का मामला सामने आया है। जहां अब जिला अस्पताल में उसका पोस्टमार्टम किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि उसने खुद को गोली मारकर खुदकुशी की है। वहीं परिजनों का आरोप है कि जब वह देर रात चबूतरे पर बैठा था तो उसकी कनपटी पर गोली मारकर हत्या की गई और हथियार को उसके पैरों के पास ही डाल दिया गया है। परिजनों का आरोप है कि कुछ समय पहले गांव के लोगों ने ही उसपर जानलेवा हमला किया था और उसे झूठे केस में फंसाया था और अब उन्हीं लोगों ने उसकी जान ले ली है। घटना और मामले की जानकारी लगाने पर थाना गढ़ीमलहरा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

### पटवारी पर हमलावर हुए वीडी शर्मा बोले-

## वे रस के चक्कर में रहते हैं इसलिए कांग्रेस रसातल में चली गई

**भोपाल/ग्वालियर ■**

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दौरान नेताओं द्वारा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने जीतू पटवारी पर तंज कसते हुए कहा है कि वे रस के चक्कर में रहते हैं कांग्रेस इसलिए रसातल में चली गई।

मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने प्रियंका गांधी से भी जीतू पटवारी को लेकर कई सवाल पूछे। वीडी शर्मा ने रविवार को ग्वालियर में मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। वीडी शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी ने अभद्र टिप्पणी की उनके नेता दिग्विजय सिंह भी महिलाओं पर टिप्पणी कर चुके हैं। क्या प्रियंका जीतू की बात का समर्थन करती हैं। आगे शर्मा ने कहा कि चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलेगा। मोदी सरकार को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। कांग्रेस कार्यकर्ता नेतृत्व से निराश हैं, कांग्रेसियों को मोदी सरकार बनने की उम्मीद है जिसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वोट ही नहीं डाले, जिसके कारण वोटिंग कम हुई है।

### राहुल गांधी ने देश को किया गुमराह

वीडी शर्मा ने कहा है कि रोहित वेमुला मामले पर राहुल गांधी ने दलितों के साथ छल किया। जबकि रोहित इस वर्ग का व्यक्ति था ही नहीं, राहुल गांधी ने देश को गुमराह किया। अब राहुल माफी मांगें। उन्होंने कहा कि ये चुनाव प्रत्याशियों का नहीं मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने का चुनाव है। ये चुनाव 2047 के विकसित भारत बनाने का चुनाव है। ये चुनाव देश विरोधी मानसिकता के खिलाफ है। केंद्र की मोदी सरकार ने संकल्प पत्र में आयुष्मान भारत से गरीब और बुजुर्गों को स्वस्थ बनाया। पांच लाख तक का निशुल्क इलाज का अधिकार दिया। कांग्रेस धर्म के आधार पर मुस्लिमों को आरक्षण दे रही है। वीडी ने कहा कि इस बार छिंदवाड़ा में भी कमल खिलेगा, राजगढ़ में मिस्टर बंटाधार की जमानत जब्त होगी। जीतू पटवारी रस के चक्कर में रहते हैं इसलिए कांग्रेस रसातल में चली गई है। जीतू पटवारी के मामले में गिरफ्तारी होगी, कानून अपना काम करेगा।

# प्रदेश की फिल्म उद्योग पॉलिसी : एक छलावा

**अभी कुछ दिनों पहले ही मेने इन्वेस्टर्स समिट की एक आप बीती अखबारों में प्रकाशित हुई थी जिसमें मेने अपना सच्चा अनुभव शेयर किया था कि फिल्म स्टूडियो बनाने के लिए सरकार ने जो मदद करने की पॉलिसी बनाई वो कितनी अविवेकपूर्ण, अव्यवहारिक और किसी काम की नही। सिर्फ दिखावा मात्र है। जमीनों की स्थिति देखकर ऐसा लगता है कि जितना कूड़ा करकट था वो सब सरकार ने स्टूडियो व रिसोर्ट बनाने के लिए ऑफर कर दिया। अब कुछ लोग उलझ गए कुछ समझदार थे वो पीछे हट गए। जो उलझ गए वो आज अपना सिर पीटकर या तो नुकसान में चला रहे है या उसे किसी और को बेचने में प्रयासरत है।**

डॉ. संजय बिन्दल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

अब आते है भाग दो पर याने फिल्म सब्सिडी पर। ऐसा लगता है सरकार ग्लेमर से ही प्रभावित रहती है। उसे सिर्फ बड़े निमार्ताओं से ही लगाव है। उन धनाढ्य निमार्ताओं जिन्हें धनाभाव होता तो फिल्म ही नही बनाते। सरकारों की मानसिकता और झुकाव सिर्फ धनाढ्य वर्ग की तरफ ही ज्यादा है ये उनकी पॉलिसियों में ही परिलक्षित होता है। फिल्म सब्सिडी की पॉलिसी इतनी नासमझी से बनाई गई है कि ऐसा लगता है सरकार सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ा कर सिर्फ एक संदेश देना चाहती है कि देखो हम कुछ कर रहे है। पर ये कुछ करने का उद्देश्य कुछ नही करना है। और अगर कुछ फायदा हासिल करना है तो उनको फायदा न देकर उन्हें देना है जिन्हें इसकी असल में जरूरत ही नही है। टूरिजम बढाने का तो मात्र बहाना है। अब इसे हम विस्तार से समझते है। हम सब जानते है कि फिल्म उद्योग दो तरह के सेगमेंट में बंटा हुआ है। एक राष्ट्रीय स्तर की फिल्में एक प्रादेशिक स्तर की। कुछ प्रदेश ऐसे है जहां प्रादेशिक स्तर की फिल्में ही धूम मचाती है। जैसे साउथ इंडियन फिल्में वहां प्रादेशिक स्तर पर बेहद धूम मचाती है। हिंदी फिल्में राष्ट्रीय स्तर की होती है पर उनकी वहां पर कोई विशेष पूछपरख नही होती। यहां तक कि हिंदी फिल्मों के बड़े से बड़े आर्टिस्ट भी 50-60 करोड़ के फिगर तक ही फीस ले पाए जबकि साउथ के सुपरस्टार 200 करोड़ फीस तक पहुंच गए। उनका जबरदस्त जलवा है। वहां पब्लिक में उन स्टार्स का जबरदस्त क्रेज है यहां तक कि साउथ की डब फिल्में भी पूरे देश में अपना जलवा फैला रही है। उसके अलावा भोजपुरी, पंजाबी फिल्मों ने भी फिल्म उद्योग में अपनी पैठ बनाई हुई है और आज भी सैकड़ो की तादात में ये प्रादेशिक फिल्में बन रही है। इसके अतिरिक्त बंगाली, राजस्थानी आदि फिल्में भी प्रचलित है। पर मध्यप्रदेश हिंदी भाषी प्रदेश होने के कारण ये बॉलीवुड पर ही निर्भर है। यहां का कोई भी प्रादेशिक सिनेमा नही है। इसका एक कारण ये भी है कि आज तक किसी सरकार ने यहां का लोकल सिनेमा डेवलप करने पर कभी ध्यान नही दिया। जो सब्सिडी की पॉलिसी बरसों पहले सभी स्टेट में बन गई थी यहां एक लंबे अरसे बाद सरकार की नींद खुली। पर जो नीतियां बनाई गई वो अवेविकपूर्ण व अव्यवहारिक है। आज लोकल निमार्ताओं या प्रदेश के निमार्ताओं, जो कि छोटे स्तर के है, के लिए उसमें कोई स्कोप नही है। दिखने को उसमें सब शामिल है पर व्यवहारिक रूप से पॉलिसी की शर्तें पूरी करना छोटे निमार्ताओं के लिए असम्भव सा है। अब आप एक चीज समझिए कि अगर किसी के पास करोड़ो रुपए है फिल्म बनाने के लिए तो वो तो पहले ही बॉलीवुड में जाकर जम गया होगा। वो प्रदेश में थोड़ी ना रुकेगा। वो प्रदेश का रहा भी नही तो फिर भाई यहां के छोटे निमार्ताओं का क्या? क्या उनको ध्यान में रखकर पॉलिसी बनाई गई है? उत्तर है बिल्कुल नही। तो क्या सरकार का कर्तव्य नही की पहले अपने घर के सदस्यों को सहयोग दे। उन्हें आगे बढ़ाए, उन्हें सब कुछ मुहैया कराए? पर यहां उल्टा हो रहा है। आप बड़े निमार्ताओं को ही आकर्षित करना चाह रहे है। आप उन्हें सब्सिडी दे रहे है जिन्हें जरूरत ही नही। क्या शाहरुख, अक्षय, सलमान, अजय की फिल्मों को पैसों या किसी सपोर्ट की जरूरत है? उन्हें तो वैसे ही करोड़ो रुपए घर बैठे मिल जाते है। उन्हें सहायता की भी जरूरत नही। बड़े बड़े स्टूडियो 100-200 करोड़ लगाने को बैठे है उनके लिए। सिर्फ आप उन्हें साइन करके डेट ले लीजिए और सीड मनी डाल दीजिए बाकी सब स्टूडियो दे देगा। लेकिन जो छोटे लोकल निमार्ता है जिन्हें इस तरह की सहायता की जरूरत है वो बेचारे पॉलिसी की शर्तें ही पूरी नही कर सकते वो मुंह ताकते रह जाएंगे। वो थोड़ी ना 100-200 करोड़ के बजट की फिल्में

बना सकते है। वो बेचारे 50 लाख से लेकर अधिक से अधिक 3-4 करोड़ की फिल्म बना लेंगे। इक्का दुक्का कोई अपवाद मिले तो अलग बात है शायद वो भी नही। अब मैं ऐसा क्यों कहा रहा हूँ उसके लिए पॉलिसी की शर्तें समझिए। पहले तो कोई सामान्य पॉलिसी या सिंगल विंडो स्कीम या फिल्म बनाने की सुगमता कह लो या इज ऑफ डूइंग ये सब छलावा मात्र है। आपको सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा लगा कर सिर पटकने पर मजबूर कर दिया जाएगा। भृष्टाचार तो चरम पर है ही आप के संसाधनों पर सबसे पहला हक सरकारी दफ्तरों का है। अब आप पहले कलेक्टर के दफ्तर के चक्कर काटिये तब आपको सर्टिफिकेट मिलेंगे। वो वेरिफाई करेंगे। अब आउटडोर को तो वेरिफाई कर लिया जाएगा पर इंडोर को कैसे करेंगे। उसके अलावा लोकल आर्टिस्ट के दुनियाभर के कागज इकट्ठे करो आदि सब कार्यवाहियों में समय निकलता जाएगा और बाद में अगर मना कर दिया या कोई भी कमियां निकाल दी गई जो की स्वाभाविक है तो क्या होगा? बड़े निमार्ताओं को कोई फर्क नही पड़ता। पैसा या नेताओं से कनेक्शन के कारण उनका कहीं कोई काम नही रुकता। लोकल निमार्ता जो 50 लाख की फिल्म बनाएगा तो उसकी आत्मा जानती है कि वो 50 लाख उसने कैसे इकट्ठे किये होंगे और अगर कुछ नही हुआ तो उसका बाजा बजना तय है फिर अगली बार कौन हिम्मत करेगा। दुसरी बात रिलीज की शर्त। सबसे बड़ा रोना तो यही है। सब्सिडी के लिए पहली शर्त रिलीज की है। आप सब जानते ही है कि करोना के बाद से फिल्म उद्योग का स्वरूप बिल्कुल बदल गया। ये मल्टीप्लेक्स से हटकर घर के बड़े टीवी और ओटीटी पर सिमट गया। थिएटर खाली पड़े है। शो कैंसल हो रहे है। बड़ी फिल्मों के अलावा छोटी फिल्में कोई थियेटर नही लगा रहा। कमाई तो छोड़िए ढल्लअ और फ्ड का खर्चा ही नही निकल पा रहा। अब ऐसे में हमारी सरकार बहादुर कहती है 500 स्क्रीन पर फिल्म रिलीज करिए। भांग खाकर बैठे है नीति निमार्ता। यहां 5 स्क्रीन भी छोटी फिल्मों को करोना के पहले ही कोई नही देता था ये इस बदले समय में 500 मांग रहे। मतलब ये उन्हें देंगे जो 100-200 करोड़ की फिल्म बनाएंगे क्योंकि थियेटर में सिर्फ यही फिल्में लग पा रही है। और वैसे भी अब पुराना जमाना कॉरपोरेट ने खत्म करके थियेटर डिस्ट्रीब्यूशन में मोनोपोली बना ली। अब थियेटर मालिक इनके इशारों पर नाचता है और ये जिसे कहते है उन्ही को थिएटर मिलता है। पहले अगर आपको याद हो एसपी ऑफिस इन्दौर के पास लाइन से डिस्ट्रीब्यूटर के ऑफिस थे और सब कमाते थे अब कॉरपोरेट ने इन सबको बेरोजगार कर दिया। आप थियेटर मुहैया कराने में भी मदद नही करते जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार व कुछ अन्य राज्य सरकार अपने यहां के लोकल भाषी निमार्ताओं को थियेटर मुहैया कराने में मदद करती है। अब अगर आप ये शर्त पूरी नही कर पा रहे तो दूसरा ऑप्शन है ओटीटी पर रिलीज करने का। पर उसमें भी नेटफ्लिक्स जैसे बड़े प्लेटफार्म सरकार बहादुर ने निर्धारित कर रखे है। अब इसकी भी हकिकत सुन लीजिए। आजकल ये प्लेटफॉर्म्स भी बड़ी और भव्य फिल्में लेते है। छोटी फिल्मों का ढेर लगा है और ऐसा भी नही अच्छे कन्टेन्ट भी है जो नये प्रतिभाशाली लोगो ने बनाये है। पहली बात तो कन्टेन्ट ही रिजेक्ट कर दिया जाता है नही तो रेवेन्यू शेरिंग के ऑप्शन दिए जाते है। अब जो बेचारा बड़ी मुश्किल से पैसा इकट्ठा करके फिल्म बना कर लाया है वो रेवेन्यू शेरिंग पर ओटीटी पर फिल्म लांच करेगा तो कुछ हाथ मे नही आना। सिर्फ छलावा है। तो क्या ऐसे में आपको इनको ध्यान में रखकर नीतियां नही बनानी चाहिए थी? आप तो बड़े लोगो के ग्लेमर में फंसकर पॉलिसी बना डाले हो। मेरे द्वारा निर्मित/सह निर्मित कुछ फिल्में जो मीडियम बजट की है वो करोना के बाद से मुश्किल में पड़ गई। आज ओटीटी प्लेटफॉर्म 10% लागत भी देने को तैयार नही। मुनाफा तो गया तेल लेने। आप कहते है कि टूरिज्म बढ़ेगा। अरे कितना बढ़ा लोगे? यहां के लोकल निमार्ताओं को प्रमोट करोगे तो ये फिल्में प्रदेश के बाहर जाएगी, कमाई होगी वो और फिल्में बनायेगा, कई लोगो को रोजगार देगा, लोकल प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। 1 बड़ा बॉलीवुडिया निमार्ता 100 करोड़ की फिल्म बनाएगा उसका सारा क्रू बाहर से लाएगा। बस छोटे मोटे लेबर क्लास लोकल में पकड़ लेगा या एक दो लोगो को प्रोफेशनल काम दे देगा। और क्या? पर इसी 100 करोड़ में 100 फिल्में लोकल व्यक्ति बना लेंगे जिसमे लोकल व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा, सैकड़ो प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। अन्यथा सब मुम्बई का रास्ता पकड़ लेते है। छोटे से कमरों में स्ट्रगल करते हुए उनकी जिंदगी बीत जाती है। मेने कई ऑडिशन अपने प्रोडक्शन हाउस के लिए किए है। 2-3 आर्टिस्ट के लिए 500-700 बच्चों की भीड़ लग जाती है जो देश के विभिन्न हिस्सों से आये होते है। प्रतिभाशाली भी होते है और चांस नही मिलता। खर्च निकालने के लिए वे कुछ भी करने के लिए तैयार रहते है और असली टारगेट पर उनका फोकस खत्म हो जाता है। मुम्बई में अंधेरी में गली गली में लाखों लोग भटकते मिल जायँगे। कुछ डिप्रेशन में चले जाते है कुछ भाग जाते है कुछ घर वापसी कर लेते है। अगर उन्हें अपने प्रदेश में ही मौके मिले तो क्या कुछ नही कर सकते। असल सपोर्ट तो इन्हें चाहिए पर आप सपोर्ट किसे कर रहे है? एसी कमरों में बैठकर ऐसी ही पॉलिसियां बनती रहेगी। इज ऑफ डूइंग बिजनेस के नाम पर आप 100 नए कायदे कानून बना देंगे। सिंगल विंडो के अंदर 10 नई विंडो खोल देंगे। कागजी घोड़े दौड़ाने के लिए, दिखावे के लिए सारा प्रोपेगेंडा करेंगे, इन्वेस्टरों को आकर्षित करेंगे। बड़े उद्योगपतियों के हाथ जोड़कर कागज पर घोषणाएं करवा लेंगे और बाद में 10% भी करार पूरे नही होते। इन सब मे छोटे निमार्ता बेचारो को कोई नही पूछता। चाइना ने लोकल छोटे छोटे उद्यमियों को पूरा सपोर्ट दिया। अपने चाइना के बिजनेस टूर पर मैने देखा घर घर में छोटे छोटे उद्योग पनप रहे है, कम्पोनेंट बना रहे है। नए अविष्कार कर रहे है और इनके मार्फत दुनिया भर में राज कर रहे। हमारे यहां लाख विरोध करने के बावजूद चाइना से आयात कई गुना बढ़ गया। हमारे यहां उद्योग खोला नही की हजार ओपचारिताएँ पहले चालू हो जाएगी। इस बात पर मुन्नाभाई फिल्म का डायलॉग याद आ जाता है कि "कोई आदमी मर रहा है तो उसका फॉर्म भरना जरूरी है क्या?"

# मनोरंजन

## भारत के साथ पाक का भी प्यार मिल रहा वेब सिरीज हीरामंडी को

संजय लीला भंसाली की वेब सिरीज हीरामंडी की तारीफ करते हुए दर्शक थक नहीं रहे हैं। हालांकि कुछ दर्शकों का कहना है कि संजय लीला भंसाली ने इसकी गति धीमी रखी है, जिसके चलते यह कहीं-कहीं पर ऊबाऊ लगने लग जाती है। संजय लीला भंसाली ने इस वेब सीरीज के जरिए लाहौर में रहने वाले उन मुस्लिमों के बारे में बात करने की कोशिश की है जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। यही वजह है कि नेटफ्लिक्स की इस वेब सीरीज को भारत के लोगों के साथ-साथ पाकिस्तान के लोगों का भी प्यार मिल रहा है। संजय लीला भंसाली ने कहा, मुझे पाकिस्तान से बहुत प्यार मिला, लोग उत्सुकता से हीरामंडी का इंतजार कर रहे थे। इस कहानी के बताए जाने का इंतजार कर रहे थे। मुझे लगता है कि ये वो कहानी है जो किसी तरह से हम सबको आपस में जोड़ती है। इस सीरीज में जिनकी कहानी बताई गई है वो उतने ही उनके भी हैं जितने हमारे हैं। मुझे लगता है कि वे हम दोनों के हैं और दोनों देश इस शो को बहुत प्यार दे रहे हैं। मुझे अब भी लगता है कि हम सब एक हैं, मुझे अब भी लगता है कि हम सभी कई मायनों में जुड़े हुए हैं। दोनों तरफ के लोगों में बहुत प्यार है, कुछ लोगों को छोड़ दें तो। पद्मावती के समय दीपिका पादुकोण और संजय लीला भंसाली पर कई तरह के आरोप लगे थे, लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए थे और उनका नुकसान भी किया था।

## नीतीश फिर से लौट रहे हैं एक्टिंग में

दूसरी पत्नी के साथ विवादों के बीच एक्टर नीतीश भारद्वाज एक बार फिर से एक्टिंग में लौट रहे हैं। परिवार में दरार, पत्नी के साथ टूटते रिश्तों को लेकर नीतीश भारद्वाज पिछले कुछ समय से सुर्खियों में छाए हुए हैं। टीवी पर आई महाभारत में भगवान कृष्णा का किरदार निभाने के लिए हमेशा याद किया जाता रहा है। टीवी पर श्रीकृष्ण बन दर्शकों को गीता का पाठ समझाने वाले नीतीश ने हाल ही में स्वीकार किया कि उन्हें अब प्रभु श्रीकृष्ण राह दिखा रहे हैं। नीतीश भारद्वाज की दूसरी पत्नी के बीच तनाव चल रहा है। मामला तलाक तक पहुंच गया है। घर-परिवार में आईं इन मुसीबतों के बीच पर्दे पर नीतिश एक बार फिल्म नजर आने वाले हैं। चक्रव्यूह नाम के नाटक में वह एक बार फिर से भगवान कृष्ण के रूप में दिखाई देंगे, जिसका मंचन बहुत जल्द मुंबई में किया जाएगा। हाल ही में उन्होंने ईटाइम्स के साथ बातचीत में, कृष्ण की भूमिका निभाने के प्रति अपने जुनून के बारे में बात की। उन्होंने बताया कैसे कृष्ण का दर्शन उन्हें आध्यात्मिक रूप से विकसित होने में मदद कर रहा है, वो भी तब जब वह जीवन में कठिन समय से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने 80 के दशक में सई परांजपे और दिनेश ठाकुर के साथ पेशेवर मराठी और हिंदी थिएटर किया। लेकिन चक्रव्यूह से पहले मेरा आखिरी नाटक यूके में था, जो बॉलीवुड की रूढ़ियों की एक संगीतमय पैरोडी थी हमने लंदन टाइम आउट पुरस्कार जीता और पूरे यूके और कनाडा का दौरा किया। चक्रव्यूह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि महाभारत आज हमारे जीवन के लिए एक बिल्कुल प्रासंगिक महाकाव्य है और कृष्ण आज की समस्याओं से निपटने के लिए सबसे प्रासंगिक देवता हैं।

## कम व्यूअरशिप की वजह से बंद हो रहा कपिल शर्मा शो, कीकू ने दी अपडेट

दिग्गज कॉमेडियन कपिल शर्मा का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो'कम व्यूअरशिप की वजह से बंद किया जा रहा है। इस बारे में शो के मुख्य कलाकार कीकू शारदा ने रिएक्शन दी है। कीकू ने कहा कि हम लोग 13 एपिसोड कर चुके हैं और दूसरा सीजन भी जल्द आएगा। हमने पहले सीजन के लिए रैपअप किया है। यह हमेशा से ऐसा ही होने वाला था। हमने अगले सीजन के लिए पहले ही प्लान कर लिया है और वह जल्द ही आएगा। यह ज्यादा बड़ा गैप नहीं होने वाला है। टेलीविजन पर यह ज्यादा लंबा चलता है लेकिन यह दूसरे फॉर्मेट की बात है। यह भी दिलचस्प है। यह अभी एक छोटा गैप है और जल्द ही दूसरा सीजन लेकर आएंगे। यह रैपअप की तरह सुनाई दे रहा है क्योंकि हमने इसे बनाया है लेकिन यह टेंपरेरी है और हम जल्द ही फिर से शुरू करेंगे। बता दें शो की होस्ट एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेट से सीजन रैप की तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई। शो की बात करें तो यह 30 मार्च से शुरू हुआ था। सबसे पहले एपिसोड में रणबीर कपूर, उनकी मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा कपूर साहनी आए थे। दूसरे एपिसोड में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने धमाल मचाया था। इसके बाद दिलजीत दोसांझ, परिणीति चोपड़ा और निर्देशक इम्तियाज अली अपनी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' का प्रमोशन करने आए थे। फिर चौथे एपिसोड में कौशल बंधु विक्की और सनी पहुंचे थे। पिछले एपिसोड में सुपरस्टार आमिर खान आए थे। आमिर ने आज तक के इतिहास में पहली दफा कपिल के शो में शिरकत की और कई राज खोले। अब सनी और बॉबी देओल वाला एपिसोड आने वाला है। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' मार्च के अंत में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर शुरू हुआ था।

# अस्थाई रूप से निलंबित होने के बाद बजरंग का पहला बयान, कुश्ती संघ ने नाडा पर लगाए गंभीर आरोप

**नई दिल्ली** ■

बजरंग पूनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है।

बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थाई निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था। बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से चले गए थे। बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर एक्सपायर हो चुकी किट देने का आरोप लगाते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया। मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो 'एक्सपायर किट' लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिए और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए। उन्होंने कहा, मेरे वकील इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे। बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इस बीच कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया।

**संजय ने कहा-** यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया। मैंने 25 अप्रैल को नाडा महानिदेशक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी और उस बैठक में यह मामला नहीं उठाया गया था। उन्होंने कहा, वे रहने के स्थान संबंधी शर्तों, लंबी सूची (पेरिस ओलंपिक के लिए संभावित दावेदार) जैसे मामलों पर हमारे साथ संवाद करते रहते हैं। यहां तक कि हमने हाल ही में हुए फेडरेशन कप के बारे में भी चर्चा की, जहां उन्होंने विजेताओं से नमूने इकट्ठा करने के लिए अधिकारियों को भेजा था। उन्होंने हमें बजरंग पुनिया के निलंबन के बारे में नहीं बताया। मैंने नाडा अधिकारियों को फोन किया और उनके पास मेरे प्रश्न का कोई जवाब नहीं था। नाडा को पत्र लिखने और वाडा को इस बारे में सूचित करने की योजना बना रहा हूं। विनेश फोगाट ने भी पटियाला में महिलाओं के 50 किग्रा का ट्रायल जीतने के बाद शुरू में अपना नमूना देने से इनकार कर दिया था।

# चहल, जडेजा, अश्विन, मिश्रा की गेंदों पर पड़े सबसे ज्यादा छक्के

**नई दिल्ली।** भारत में आईपीएल प्रीमियम लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। इस लीग का 17वां सीजन अभी खेला जा रहा है। इस आईपीएल में बल्लेबाजों का दबदबा ज्यादा है। पिच भी वैसी होती है जहां आसानी से छक्के चौके लग जाते हैं। गेंदबाज मैच के दौरान बैकफुट पर ही रहते हैं। बल्लेबाज जब चाहता है छक्के लगा देता है। इस आईपीएल में ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गेंदों पर सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं।

युजवेंद्र चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अब छक्का के मामले में भी वह जल्द ही टॉप पर पहुंच सकते हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर अपने आईपीएल करियर के आधे से ज्यादा मैच खेलने वाले चहल की 3401 गेंदों पर 213 छक्के लगे हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के रविंद्र जडेजा जिन्होंने आईपीएल लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए 2008 में डेब्यू किया था। जडेजा लीग के सबसे सफल बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। लेकिन इस आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के बाएं हाथ के गेंदबाज रविंद्र जडेजा के नाम ही है। उनकी 3751 गेंदों पर 201 छक्के लगे हैं।

### मां के कहने पर ऐश्वर्या राय से ली टक्कर

# 24 साल की उम्र में बनी सिंगल मदर, ओटीटी की क्वीन

बॉलीवुड में कई एक्ट्रेस ऐसी हैं जिन्होंने स्टार बनने से पहले काफी मेहनत की। इन्होंने अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जी है और आज भी ऐसा कर रही हैं। इन्होंने एक जमाने अपनी मां के कहने पर ऐश्वर्या राय को टक्कर दी थी। जिस एक्ट्रेस की बात हो रही है वो 24 की उम्र में बन गई थी सिंगल मदर। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ में काफी लड़ाई लड़ी और जीती हैं। ये कोई और नहीं बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन हैं।

इन्होंने 1994 में मिस इंडिया के लिए कॉन्टेस्ट लड़ा था, लेकिन जब उनको पता चला की ऐश्वर्या राय भी हैं इसमें तो वो अपना नाम वापस लेना चाहती थीं। मगर सुष्मिता की मां ने उन्हें हौसला दिया पूरे आत्मविश्वास के साथ रैंप पर वॉक करने की बात कही। तब जाकर वो मिस इंडिया के कॉन्टेस्ट में डटी रहीं। यही वजह है कि वो मिस इंडिया का खिताब जीत सकीं और बाद में मिस यूनिवर्स भी बनी। 1996 में इन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया। आज ये ओटीटी क्वीन बन गई हैं। 'आर्या' और 'ताली' जैसी वेब सीरीज से इन्होंने खूब ख्याति प्राप्त की।

**सुष्मिता सेन की बेटियां**

सुष्मिता सेन सिंगल मदर भी हैं। इनकी दो बेटियां हैं। रेने और अलिशा। 24 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने रेने को गोद लिया था। बताया जा रहा है कि उनकी बेटी रेने सेन बहुत जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी।

# महिला हॉकी लीग में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को हराया

**नई दिल्ली** ■

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024 (चरण 1) में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने शनिवार को महाराष्ट्र को हराया। हरियाणा की टीम ने रोमांचक मुकाबले में बंगाल को 4-3 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हरा दिया।

दिन के शुरुआती मैच में, बंगाल की टीम कुछ ही समय में बढ़त हासिल करने में सफल रही और सिलबिया नाग (दूसरे मिनट) ने खेल की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके बाद सेलेस्टिना होरो (19वें) ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। हरियाणा की कप्तान नीलम (20वें) ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जिससे घाटा कम हुआ क्योंकि मध्यांतर तक बंगाल 2-1 से आगे था। नंदनी (41वें) ने हरियाणा के लिए एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया, इससे पहले शशि खासा (43वें) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर हरियाणा को बढ़त दिलाने में मदद की। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में पिंकी (46वें मिनट) ने फील्ड गोल करके हरियाणा को 4-2 की बढ़त दिला दी। शांति होरो (51वें मिनट) ने बंगाल के लिए फील्ड गोल करके वापसी की संभावना पैदा की, लेकिन हरियाणा ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए विजेता बना।

**फील्ड गोल करके स्कोर बराबर**

दिन के दूसरे मुकाबले में मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हराया। पहला हाफ बिना किसी गोल के शांत रहने के बाद, मध्य प्रदेश ने तीसरे क्वार्टर में आंचल साहू (45वें) के फील्ड गोल से गतिरोध को तोड़ते हुए बढ़त बना ली। महाराष्ट्र की कप्तान अश्विनी कोलेकर (50वें मिनट) ने अंतिम क्वार्टर में सिर्फ पांच मिनट से कम समय में फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, स्वाति (54वें मिनट) ने मैदानी गोल करके मध्य प्रदेश को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद, मध्य प्रदेश ने अपनी एक गोल की बढ़त बरकरार रखने के लिए कड़ा बचाव खेल खेला। बाद में मिजोरम का मुकाबला मणिपुर से होगा, जबकि झारखंड का मुकाबला ओडिशा से होगा।

## आईपीएल : मुम्बई पर जीत दर्ज करने उतरेगी सनराइजर्स

**मुंबई।** मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेंगी। मुंबई पहले प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह ये मैच जीत भी जाती है तो भी उसे कोई लाभ नहीं होगा। वह अंकतालिका में अभी सबसे नीचे है। वह अपने 11 में से 8 मुकाबले हारी है। इसलिए बचे हुए मुकाबले जीतकर भी वह बाहर ही रहेगी। दूसरी ओर हैदराबाद 10 में से 6 मुकाबले जीतने के साथ ही अंक तालिक में चौथे स्थान पर होने के कारण ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेगी। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल मानी जाती है। इस मैदान पर जमकर रन बनते हैं। मैदान छोटा होने के कारण चौके-छक्के भी खूब लगते हैं। ऐसे में हैदराबाद के बल्लेबाजों को रोकना मुम्बई के लिए आसान नहीं रहेगा। मुम्बई की ओर से वैसे भी जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई अन्य गेंदबाज लय में नहीं है।

## मयंक आईपीएल से बाहर हुए : कोच लैंगर

**मुम्बई।** आईपीएल 2024 के इस सत्र में अपनी सबसे तेज गेंदों के कारण आकर्षण का केन्द्र बने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव बचे हुए मैचों से बाहर हो गये हैं। मयंक अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरें हैं। मयंक का बाहर होना उनकी टीम लखनऊ सुपर जॉयंट्स के लिए एक बड़ा झटका है। सुपर जॉयंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भी कहा है कि अब मयंक इस सत्र में आगे नहीं खेल पायेंगे।

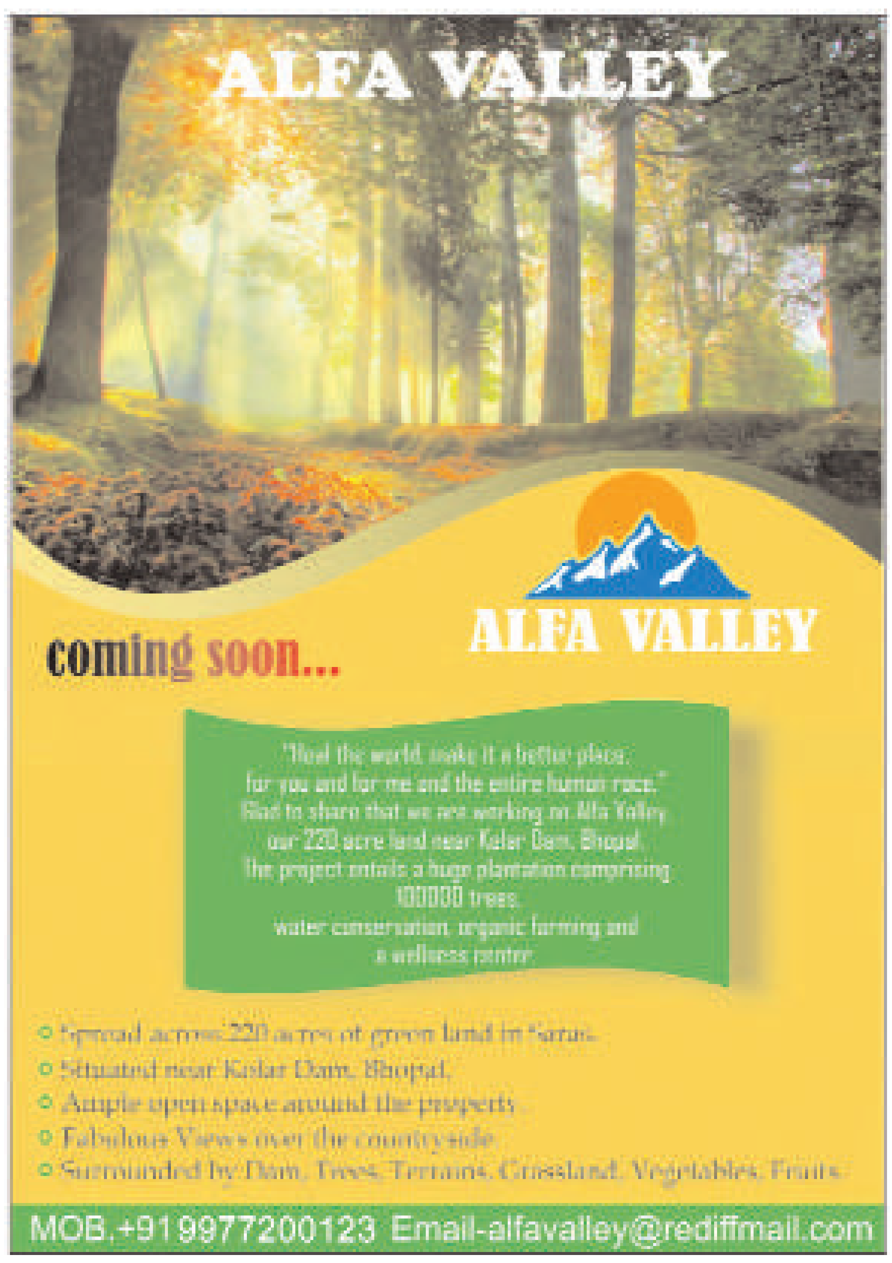

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***( *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार )। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**